देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 341 । नर्मदापुरम, बुधवार 19 मार्च 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

एक गांव में लिव इन में रह रहे महिला-पुरुष को पंचायत ने सुनाई अनोखी सजा पृष्ठ 2

नागपुर हिंसा : सत्ता का नया प्रयोग या देश को दंगे की आग में झोंकने की साजिश? पृष्ठ 4

9 करोड़ से अधिक लोगों ने 28 फरवरी तक जमा की आईटीआर : आयकर विभाग पृष्ठ 6

डॉक्टरों की कमी और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा आमला सिविल अस्पताल पृष्ठ 7

सार-समाचार

हमारी सरकार ने आरक्षण बढ़ाने का वादा निभाया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी पार्टी की सरकार ने तेलंगाना में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा की 50 प्रतिशत की दीवार को पार कर ऐतिहासिक कम कर दिया है। श्री गांधी ने कहा कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का बिल पारित किया गया है।

दिल्ली मेट्रो फेज-4 की सुरंग का निर्माण कार्य पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने मंगलवार को एरोसिटी–तुगलकाबाद कॉरिडोर (गोल्डन लाइन) के इग्नू स्टेशन साइट (छतरपुर मंदिर से) पर टनल बोरिंग मशीन की सफलता के साथ फेज–4 के सबसे गहरे भूमिगत हिस्से पर सुरंग बनाने का काम पूरा कर लिया। इस मौके पर निरीक्षण करने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा पहुंचे। यह नई सुरंग औसतन 27.0 मीटर (न्यूनतम गहराई 18.0 मीटर और अधिकतम 39 मीटर) की गहराई पर बनाई गई है, जो दिल्ली मेट्रो की सबसे गहरी सुरंगों में से एक है।

ज्वेंगा सेब बने को जदयू नागालैंड के अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। जनता दल (यूनाइटेड) ने नागालैंड विधानसभा में अपने विधायक ज्वेंगा सेब को राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने मंगलवार को यहां बताया कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने तत्काल प्रभाव से श्री सेब को नागालैंड प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने बताया है कि श्री नीतीश कुमार ने अरुणाचल प्रदेश के श्री रुही तागुंग को राष्ट्रीय सचिव भी बनाया है। श्री तागुंग की नियुक्ति भी तत्काल प्रभावी होगी।

बेंगलुरु में 8 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जॉर्ज सोरोस द्वारा समर्थित कुछ संस्थाओं पर छापेमारी की है। ईडी मुख्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ईडीएफ और ओपन सोर्स फाउंडेशन समेत कई संस्थाओं की जांच के लिए बेंगलुरु में कुल आठ जगहों पर छापेमारी की गई है। छापेमारी की कार्रवाई फेमा उल्लंघन की जांच के लिए की गई है। ईडी द्वारा की गई प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सोरोस और उनके ओपन सोसायटी फाउंडेशन (ओएसएफ) को 2016 में गृह मंत्रालय द्वारा पूर्व संदर्भ श्रेणी में रखा गया था, जिससे इसे भारत में गैर–सरकारी संगठनों को अनियमित दान देने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।

समुद्री सहयोग बढ़ाएंगी भारत और न्यूजीलैंड की नौसेना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड की नौसेना परस्पर संबंधों को मजबूत बनाने, संयुक्त प्रशिक्षण और समुद्री सहयोग को आगे बढाने की दिशा में काम करेंगी। भारत की यात्रा पर आये न्यूजीलैंड के नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल गारिन गोल्डिंग ने मंगलवार को यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने नौसेना के परस्पर संबंधों को बढ़ाने, संयुक्त प्रशिक्षण पहल और समुद्री सहयोग पर चर्चा की। न्यूजीलैंड के नौसेना प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, सेना प्रमुख, वायु सेना प्रमुख और रक्षा सचिव सहित वरिष्ठ रक्षा नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति न्यूजीलैंड की प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

महिला तीर्थयात्री लोडेड पिस्तौल के साथ हिरासत में

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने रियासी जिले में कटरा की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित श्री माता वैष्णो देवी भवन में लोडेड पिस्तौल के साथ दिल्ली की एक महिला तीर्थयात्री को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि खुद को पूर्व पुलिस कांस्टेबल बताने वाले महिला तीर्थयात्री को14 मार्च की देर रात को भवन चौकी के पास पिस्तौल और छह गोलियों के साथ हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि पिस्तौल का लाइसेंस था, लेकिन उसकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री ने तात्या टोपे नगर में 364 शासकीय आवास गृहों का लोकार्पण

शासकीय कर्मचारियों को एक अप्रैल से मिलेगा सातवें वेतनमान के बराबर भत्तों का लाभ

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम होगा शासकीय आवास परिसर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल मध्यप्रदेश की राजधानी है। राजधानी क्षेत्र की तीव्र प्रगति होगी। हाल ही में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। भोपाल शहर में ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन होते रहना आवश्यक है। भोपाल में शहरी क्षेत्र में आवास सुविधा सहित अन्य सुविधाएं भी विकसित की जा रही है। भविष्य में भोपाल के साथ सीहोर विदिशा, नर्मदापुरम, रायसेन आदि के क्षेत्रों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र का विकास होगा।

डॉ. यादव ने आज यहां तात्या टोपे नगर के नवनिर्मित शासकीय आवासों के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस आवासीय परिसर का नाम भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी परिसर होगा। यहां आवासीय परियोजना के प्रथम चरण में 116.26 करोड़ की लागत से निर्मित 364 जी टाइप आवास गृहों का लोकार्पण हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सवा साल में हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा है। आने वाले 5 साल में अलग–अलग विभागों के ढाई लाख पदों पर नियुक्तियां होंगी। प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों को 1 अप्रैल से 7 वें वेतनमान के बराबर भत्तों का लाभ मिलेगा। गत वर्ष कर्मचारियों को दो बार चार–चार प्रतिशत डी.ए. स्वीकृत किया गया। कर्मचारियों को पदोन्नति का भी लाभ मिल सके, इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है।

इन्हें सौंपीं चाबियां

डॉ. यादव ने श्रीमती सीमा तिवारी, श्रीमती कल्पना गुर्जर, श्रीमती संगीता उइके, राघवेंद्र सिंह को उनके शासकीय आवास की चाबियां सौंपी। साथ ही उन्होंने भोपाल नगर निगम के अधिकारियों को इस परियोजना के द्वितीय चरण में आगामी दो से तीन महीने में एफ–टाइप आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को रंगपंचमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंडला में आदिवासी की मौत पर विधानसभा में फिर हुआ हंगामा

नक्सली बताकर की गई हत्या : विपक्ष, नक्सली कनेक्शन नहीं मिला तो 1 करोड़ की सहायता देंगे : सरकार

भोपाल, देशबन्धु। मंडला में पिछले दिनों पुलिस मुठभेड़ में आदिवासी की मौत के मामले की गूंज आज फिर विधानसभा में सुनाई दी। विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने आरोप लगाया कि मंडला में आदिवासी को नक्सली बताकर उसकी हत्या की गई है। इस मुद्दे पर सदन में भारी हंगामे के बीच कांग्रेस सदस्यों ने एक बार फिर सदन से बहिर्गमन किया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि सरकार मृतक आदिवासी को 10 लाख रुपए की सहायता का ऐलान कर चुकी है, फिर वह नक्सली कैसे है? इस पर संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जांच जारी है। यदि यह पाया गया कि मृतक नक्सली नहीं था तो उसे सहायता राशि दी जाएगी। सदन में विधायक ओमकार सिंह मरकाम, नारायण सिंह पट्टा, विक्रांत भूरिया ने कहा एक ध्यानाकर्षण के जरिए मामला उठाते हुए कहा कि यह एक आदिवासी को नक्सली बताकर उसकी हत्या कर देने का मामला है। जिस व्यक्ति की नक्सली बताकर हत्या की गई, वह सीधा–साधा ग्रामीण है, वह वनोपज संग्रह कर अपना जीवनयापन कर रहा था।

मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने अपने उत्तर में कहा कि जवाब देते हुए कहा कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची थी, यहां पुलिस ने आत्मसमर्पण के लिए कहा गया था, लेकिन दूसरी ओर से फायरिंग की गई। आत्मरक्षा के लिए हाकफोर्स के जवानों ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें मंडला जिले के थाना खटिया क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नारंगी लसेरी टोला के हीरन परते की मौत हुई। सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी की है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। कांग्रेस सदस्य मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच सेवानिवृत्त जज से कराई जाना चाहिए। साथ ही मृतक के परिजनों को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता के साथ ही परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए।

बजट पर हुई चर्चा का देवड़ा ने दिया उत्तर, बोले-

कर्ज लेकर विकास किया, घी नहीं पिया

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री (वित्त) जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह बजट जनता का बजट है, विकास और पारदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी वर्गों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया है। श्री देवड़ा आज विधानसभा में बजट पर हुई चर्चा का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि सरकार कर्ज ले रही है, सभी सरकारें कर्ज लेती हैं, हम कर्ज लेकर विकास कर रहे हैं। घी नहीं पी रहे।

उल्लेखनीय है कि विपक्ष ने बजट की आलोचना करते हुए कर्ज को लेकर सवाल उठाए थे। विपक्षी विधायकों ने ये बात बार–बार कही कि सरकार कर्ज लेकर घी पी रही है। नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'ज्ञान के मंत्र' के तहत गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी— इन चार वर्गों पर विशेष ध्यान दिया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा मध्यप्रदेश विधानसभा बजट सत्र में वक्तव्य दे रहे थे।

---

5 साल की बच्ची के दुष्कर्मी हत्यारे को तीहरी फांसी

मां-बहन को 2-2 साल की कैद

भोपाल, देशबन्धु। शाहजहांनाबाद इलाके में 5 साल की मासूम बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और जघन्य हत्या के आरोपी अतुल भालसे को तीहरी फांसी की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश कुमुदनी पटेल ने सौ पेज के अपने फैसले में इस मामले को दुर्लभतम मामला बताते हुए लिखा कि अपराधी की वासना राक्षसों जैसी है। वहीं, वारदात में आरोपी का साथ देने वाली मां और बहन को भी दो–दो साल कैद की सजा दी है। विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला ने बताया कि विशेष न्यायालय ने पिछले सप्ताह आरोपियों को दोषी घोषित कर दिया था और मंगलवार को सजा सुनाई गई। आरोपी अतुल भालसे को हत्या, दुष्कर्म के दौरान मौत और 12 वर्ष से कम उम्र की बच्ची के गुप्तांगों को विकृत करने के अपराध के लिए अलग–अलग मृत्युदंड की सजा सुनाई गई है। वहीं लैंगिक अपराधों से बालकों को संरक्षण अधिनियम (पाक्सो) के तहत उम्र कैद की सजा दी गई है।

पीड़ित परिवार ने कहा- न्याय मिला

सजा की घोषणा के बाद मृतका के परिजनों ने कहा कि इस दरिंदे को फांसी पर चढ़ाया ही जाना चाहिए। न्यायालय ने उनके साथ न्याय किया है। लेकिन इस अपराध में साथ देने वाली दोनों महिलाओं को भी कम से कम उम्र कैद की सजा मिलनी चाहिए थी।

दिहुली नरसंहार में 44 साल बाद आया फैसला

3 दोषियों को मिली फांसी की सजा

मैनपुरी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी की एक अदालत ने 24 दलितों की हत्या के 44 साल पुराने मामले में दोषी तीन लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष) इंद्रा सिंह की अदालत ने मंगलवार को बहुचर्चित दिहुली हत्याकांड के दोषी रामसेवक, कप्तान सिंह और रामपाल सिंह को फांसी की सजा के साथ–साथ 50–50 हजार जुर्माना भरने का आदेश दिया है।

24 दलितों की हत्या में पाए गए है दोषी

अभियोजन पक्ष के अनुसार दिहुली गांव में 18 नवंबर 1981 को कुख्यात राधे –संतोषा गिरोह के 18 सदस्यों ने गांव में 24 दलितों की हत्या की थी। इस मामले में 1993 में पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी। इस कांड से केंद्र की इन्दिरा सरकार और उत्तर प्रदेश की वी पी सिंह सरकार हिल गयी थी और श्री वीपी सिंह को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस जघन्य वारदात के बाद 22 नवम्बर 1981 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी दिहुली आई थीं और उन्होंने पीड़ितों से बात की थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देश पर इस केस की सुनवाई मैनपुरी में हुई।

सुनवाई के दौरान 17 आरोपियों में से 13 की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई, जबकि एक आज भी भगोड़ा घोषित है। दिहुली गांव के पीड़ित कहते हैं कि 44 साल में तो उनके आंसू भी सूख गए हैं। देश को झकझोर देने वाले दिहुली हत्याकांड को अंजाम देने वाले राधे–संतोषा गिरोह ने 24 दलितों की हत्या सिर्फ इसलिए की थी क्योंकि इस गिरोह से पुलिस से हुई एक मुठभेड़ में इस गांव के लोगों को पुलिस ने गवाह बनाया था।

औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र जलाने से हुआ था बवाल

नागपुर के कई इलाकों में कर्फ्यू

- हिंसा में 33 पुलिसकर्मी व 5 आम लोग हुए घायल
- दंगे के आरोप में 50 लोगों को हिरासत में लिया गया

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सोमवार शाम हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इनमें 3 डीसीपी हैं। 5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक आईसीयू में भर्ती है। दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में 50 लोगों को हिरासत किया गया है। वहीं, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। हर आने–जाने वालों की जांच की जा रही है।

सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। विश्व हिंदू परिषद के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़–आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया।

फडणवीस ने अफवाहों को बताया जिम्मेदार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा पर मंगलवार को विधानसभा में बयान दिया। उन्होंने बताया कि यह हिंसा एक अफवाह से शुरू हुई, जिसमें कहा गया था कि एक प्रतीकात्मक कब्र पर रखी चादर पर धार्मिक चिह्न था, जिसे जलाया गया। शाम को यह अफवाह फैली और देखते ही देखते हालात बिगड़ गए, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी।

महाराष्ट्र को मणिपुर बनाना चाहती है भाजपा: ठाकरे

शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा महाराष्ट्र को अगला मणिपुर बनाना चाहती है। जब नागपुर में हिंसा भड़की तो सीएमओ की तरफ से कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी गई।

सत्तारूढ़ प्रशासन की विचारधारा का असली चेहरा उजागर: खेड़ा

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि नागपुर में दंगों की खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। खेड़ा ने कहा कि महल मुख्यमंत्री का अपना क्षेत्र है। नागपुर के 300 वर्षों के गतिशील अस्तित्व में वहां कभी दंगे नहीं हुए हैं।

कांग्रेस शासन में सुलगता रहा मणिपुर: सीतारण

नई दिल्ली एजेंसी। राज्य सभा में मणिपुर पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस समय केंद्र और मणिपुर दोनों स्थानों पर कांग्रेस की सरकार थी तब मणिपुर में सैकड़ों लोग हिंसा में मारे गए थे। हालांकि तब केंद्र सरकार का कोई मंत्री मणिपुर की सुध लेने वहां नहीं गया। निर्मला सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2002 से लेकर 2017 तक मणिपुर में कांग्रेस की सरकार थी। केंद्र में भी 2014 से पहले तक कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार थी।

गृह सचिव व मुख्य चुनाव आयुक्त की बैठक में हुआ फैसला

आधार कार्ड से लिंक होगा मतदाता पहचान पत्र

विपक्ष के आरोपों के बाद बुलाई गई थी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। अब मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा। मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और केंद्रीय गृह सचिव की बैठक में यह फैसला लिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने निर्वाचन सदन नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ तथा चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुसार ही किया जाएगा। कहा गया कि इस संबंध में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञ जल्द ही आगे की चर्चा करेंगे।

संविधान में भी वोटर आईडी को आधार से जोड़ने का प्रावधान है। बताया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23, जिसे चुनाव कानून (संशोधन) अधिनियम, 2021 कहा जाता के मुताबिक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी मौजूदा या भावी मतदाताओं से स्वैच्छिक आधार पर पहचान स्थापित करने के लिए आधार संख्या प्रदान करने की मांग कर सकते हैं। यह कानून मतदाता सूची को आधार डाटाबेस के साथ स्वैच्छिक रूप से जोड़ने की अनुमति देता है।

चुनाव आयोग पर ही सवाल उठे

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर जिस डुप्लीकेट वोटर कार्ड (ईपीआईसी) के नंबरों को लेकर जमकर बवाल हो रहा है। साथ ही राजनीतिक दल इसके जरिये चुनाव आयोग की वैधता पर ही सवाल उठे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यह मुद्दा उठाया था। बीते शुक्रवार को चुनाव आयोग (ईसी) ने कहा था कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। इसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई थी।

आयोग मतदान से जुड़ी चिंताओं को सुनने को तैयार

नए मुख्य चुनाव आयुक्त मतदाता टर्नआउट डेटा और फॉर्म 17 सी के प्रकाशन को लेकर उठाई गई चिंताओं को सुनने के लिए तैयार हैं, चुनाव आयोग ने आज सुप्रीम कोर्ट को इसकी जानकारी दी। आयोग ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता अपनी चिंताओं को उठाते हुए और अपने सुझाव देते हुए अपना प्रतिनिधित्व प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बयान को रिकॉर्ड करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे 10 दिनों के भीतर चुनाव आयोग को अपना प्रतिनिधित्व सौंपें।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

रेलवे सुरक्षा बल ने बच्ची को परिजनों से मिलाया

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे सुरक्षा बल इटारसी ने रेल यात्रा के दौरान बच्चों के परिजनों से बिछड़ने पर बच्ची का सकुशल रेस्क्यू कर उसे परिजनों से मिलवाया। आरपीएफ ने इटारसी में अकेली मिली बच्ची को परिजनों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया है।

जानकारी के अनुसार इटारसी स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान प्रधान आरक्षक राजेश यादव ने प्लेटफार्म नंबर 4-5 पर एक 10 वर्षीय बच्ची को लावारिस हालत में पाया। पूछताछ में उसने अपना नाम शिफा पिता सलीम खान, निवासी ग्राम खराश, जिला गोंडा बताया। बच्ची ने बताया कि वह गोरखपुर जा रही थी और खाने का सामान लेने के लिए प्लेटफार्म पर उतरी थी, लेकिन ट्रेन चल दी और वह पीछे छूट गई। बच्ची को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया और बाल संरक्षण इकाई को सूचित किया गया। मेडिकल जांच के बाद बालिका गृह 'मुस्कान' में बच्ची को सुरक्षित सुपुर्द किया गया।

रेलवे स्टेशन के सामने जाम की वजह बने ऑटो

बैतूल, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन के बाहर मुख्य सड़क पर खड़े सवारी ऑटो और ई-रिक्शा से परेशान दुकानदारों ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर उचित कार्रवाई की मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि स्टेशन और बस स्टैंड पर सवारी ऑटो खड़े करने के लिए निर्धारित स्थल होने के बावजूद ऑटो चालक उनकी दुकानों के सामने सड़क पर वाहन खड़े कर देते हैं। इससे ग्राहकों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है।

दुकानदारों ने बताया कि जब वे ऑटो चालकों से अपनी दुकान के सामने वाहन हटाने का अनुरोध करते हैं, तो कई बार उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इस स्थिति को लेकर दुकानदारों में काफी आक्रोश है। दुकानदारों ने एसपी से निवेदन किया है कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर ही सवारी ऑटो खड़े करने के निर्देश दिए जाएं। इससे यातायात व्यवस्था भी सुचारू होगी और ग्राहकों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। ज्ञापन देने वाले दुकानदारों ने स्पष्ट किया कि वे लंबे समय से इस समस्या को झेल रहे हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। अब वे प्रशासन से तत्काल कार्रवाई का आग्रह कर रहे हैं।

30 मार्च से प्रारंभ होगा श्रीशतचंडी महायज्ञ

इटारसी, देशबन्धु। चैत्र की नवरात्रि में ग्राम सोनतलाई में होने वाले श्री शतचंडी महायज्ञ की तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। धर्मध्वजा यात्रा से प्रारंभ होने वाले इस बड़े धार्मिक कार्यक्रम का समापन पूर्णाहुति एवं भंडारे से होता है। तवा नदी के तट पर बसे ग्राम सोनतलाई में बीते दो दशक से अधिक समय से चैत्र नवरात्र पर नौ दिनी आयोजन होता है। आयोजन के प्रारंभ में ध्वज यात्रा निकाली जाती है।

कार्यक्रम संयोजक राजीव दीवान ने बताया कि इस वर्ष यह आयोजन 23 वे वर्ष में होगा जो 30 मार्च से शुरू होकर 6 अप्रैल को पूर्णाहुति, कन्याभोज, भंडारा और प्रसाद वितरण के बाद संपन्न होगा। पहले दिन सर्व प्रायश्चित संकल्प एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी। 31 मार्च को पंचांग पूजन, पीठार्चन, अरणि मंथन से अग्नि स्थापना के बाद हवन प्रारंभ होगा। 6 अप्रैल को समापन दिवस पर पूर्णाहुति, कन्याभोज, भंडारा एवं प्रसाद वितरण होगा। यज्ञाचार्य पं. अजय शास्त्री हैं जबकि यज्ञकर्ता झांसी के श्रीश्री 1008 ब्रह्मचारी महाराज हैं। इस धार्मिक आयोजन के अंतर्गत 31 मार्च से 6 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 6 बजे तक मानस रामायण के प्रखंड वक्ता पं. गौरीशंकर दुबे रायसेन एवं राघवेन्द्र दास रामायणी नौगांव छतरपुर के श्रीमुख से श्री रामचरित मानस प्रवचन होंगे।

कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार का रंग पंचमी पर्व पर होली मिलन समारोह स्थगित

इटारसी, देशबन्धु। कान्यकुब्ज ब्राह्मण परिवार इटारसी ने 19 मार्च को प्रस्तावित होली मिलन समारोह स्थगित कर दिया है। समाज के सदस्य राजेंद्र शुक्ला के पुत्र अविनेश शुक्ला के आकस्मिक निधन के बाद समाज संगठन ने यह निर्णय लिया तथा कहा कि समाज पूरी तरह से श्री शुक्ला के परिवार की पीड़ा में शामिल है। समाज की आपातकालीन बैठक आहूत कर यह निर्णय लिया कि 19 मार्च 2025 रंग पंचमी पर्व पर परिवार के होने वाले होली मिलन कार्यक्रम को रद्द किया जाता है। निर्णय परिवार के अध्यक्ष अनिरुद्ध शुक्ला की उपस्थिति में सचिव कुलभूषण मिश्रा द्वारा प्रस्ताव रखे जाने पर उसे सर्वसम्मति से मान्य किया। जानकारी ब्राह्मण परिवार के सचिव बल्लू मिश्रा ने प्रदान की। उन्होंने बताया कि रंग पंचमी के दिन परिवार का होली मिलन समारोह प्रज्ञान स्कूल में प्रस्तावित था, इस कार्यक्रम को अब स्थगित कर दिया है। समस्त ब्राह्मण परिवार शुक्ला परिवार की दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़ा है।

पंचकल्याणक कार्यक्रम के लिये मन्त्रोंच्चारण के बीच हुआ वेदी का शिलान्यास

भैंसदेही, देशबन्धु। पंचकल्याणक कार्यक्रम के लिये कार्यक्रम स्थल पर जैन मुनि प्रक्षाल सागर, रत्नत्रय सागर एवं आचार्य विभव सागर की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्यिका रत्न जिनवाणी की पुत्री सिद्ध श्री माता के सानिध्य मे मन्त्रोंच्चारण के साथ विधिवत वेदी का पूजन कर शिलान्यास किया गया। सबसे पहले भगवान आदिनाथ को अर्घ समर्पित किया गया। साथ ही वास्तु पूजन भी किया गया तथा समापन मे शांति पाठ भी किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्र की सुख समृद्धि शांति के लिये किया जा रहा है। पूजन अभिषेक जैन से जोड़े के रूप मे करवाया इस कार्यक्रम मे चिचोली से पधारे पंडित संजय सरस ने वेदी शिलान्यास का पूजन करवाया। आगामी भव्य पंचकल्याणक कार्यक्रम की तैयारी जोर शोर से चालू है। साथ ही मुनि जनो का आगमन भी चालू है।

एक गांव में लिव इन में रह रहे महिला-पुरुष को पंचायत ने सुनाई अनोखी सजा

जूते-चप्पलों की माला पहनाकर किया गांव से बाहर

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के एक गांव में शादीशुदा महिला एवं पुरुष को प्यार की सजा पंचायत ने एकदूसरे को जूते-चप्पलों की माला पहनाकर गांव से बाहर करके दी है। जूते-चप्पलों की माला पहनाकर गांव में उनका जुलूस भी निकाला गया। घटना 16 मार्च की बतायी जा रही है। हालांकि मामला पुलिस के पास नहीं पहुंचा है।

दरअसल, महिला एवं पुरुष दोनों ही पहले से शादीशुदा हैं, लेकिन अपने परिवार को छोड़कर दोनों साथ रह रहे हैं। विस्थापित गांव नया काजरी निवासी महिला के चार बच्चे हैं। एक बेटा बेटी 16-17 साल के हैं। पुरुष के भी दो लड़के और एक लड़की है। ग्रामीण के सूत्रों के मुताबिक महिला और पुरुष दोनों साथ में रह रहे हैं। उनके प्यार के बारे में गांव को जानकारी मिली तो यह बवाल हुआ। चार-पांच गांव के आदिवासी समाज और परिवार के लोग एकत्र हुए। समाज की पंचायत ने महिला और पुरुष को समझाया कि तुम पहले से शादीशुदा हो। इसलिए दोनों एक दूसरे को भूलकर अपने अपने घर में रहो। लेकिन दोनों एक साथ ही रहने अड़े रहे। इसके बाद उन्हें गांव से बाहर निकालने का निर्णय लिया। जूते-चप्पल की वरमाला करवाई गई। महिला-पुरुष ने एक दूसरे के गले में माला डाली और उनका जुलूस निकाला गया। ग्रामीणों ने बताया महिला पुरुष दोनों ही गांव से बाहर निकल गए। उनको किसी को भी मदद करने से मनाही कर दी है, जो मदद करेगा उसको भी सजा मिलेगी।

ठेकेदार ने बिना अनुमति किसानों की जमीन पर बनाई रोड

बैतूल, देशबन्धु। मेंढा जलाशय परियोजना से प्रभावित किसानों ने मुआवजा नहीं मिलने पर आक्रोश जताया है। ग्राम गाड़वा के किसानों का कहना है कि मेंढा डेम के ठेकेदार ने बिना अनुमति के उनकी जमीन पर रोड बना दी, जिसका मुआवजा 5 लाख रुपये प्रति किसान देने का वादा किया गया था। लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी किसानों को एक भी रुपया नहीं मिला है। बार-बार आश्वासन देने के बावजूद ठेकेदार ने अब तक अपना वादा पूरा नहीं किया है।

इस मामले को लेकर समाजसेवक निखिल बावने के नेतृत्व में किसानों ने मंगलवार जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और मुआवजा राशि जल्द से जल्द दिलाने की मांग की। किसानों का कहना है कि लगातार अनदेखी से उनका धैर्य टूट रहा है। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

किसानों ने बताया कि ठेकेदार ने रोड निर्माण के दौरान उनकी उपजाऊ जमीन को नुकसान पहुंचाया और उन्हें आश्वासन दिया कि प्रत्येक किसान को 5 लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन आज तक कोई राशि नहीं दी गई। किसानों का आरोप है कि ठेकेदार झूठे वादे कर उन्हें गुमराह कर रहा है।

ज्ञापन देने वालों में मनिराम पिता बिसराम, बाबू पिता नोटन, श्यामराव पिता छन्नू, सिताराम पिता चाचरू, धननू, धनाराम, केदे पिता लौटन, कुलुम पिता लौटन और जरको पिता लौटन शामिल थे। निखिल बावने ने कहा कि किसानों को न्याय दिलाने के लिए वे हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

मालदा टाउन टाउन-पुणे के बीच स्पेशल ट्रेन इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे ने मालदा टाउन-पुणे-मालदा टाउन के मध्य एक-एक ट्रिप होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन पमरे के सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया एवं इटारसी स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 03425 मालदा टाउन से पुणे होली स्पेशल ट्रेन 21 मार्च को मालदा टाउन स्टेशन से सायं 17:30 बजे प्रस्थान कर, दूसरे दिन सतना दोपहर 13:50 बजे, कटनी 14:40 बजे, जबलपुर सायं 16:10 बजे, पिपरिया 18:25 बजे, इटारसी रात 20:00 बजे, पहुंचकर और तीसरे दिन सुबह 11:35 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 03426 पुणे से माल्दा टाउन होली स्पेशल ट्रेन 23 मार्च 2025 को पुणे स्टेशन से रात्रि 22:00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी दोपहर 13:00 बजे, पिपरिया 14:10 बजे, जबलपुर सायं 16:30 बजे, कटनी 17:58 बजे, सतना रात 19:25 बजे और तीसरे दिन सायं 16:30 बजे मालदा टाउन स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 9 शयनयान श्रेणी, 3 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी सहित कुल 19 कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में न्यू फरक्का, बड़हरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जंक्शन, अभयपुर, किऊल जंक्शन, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना जंक्शन, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जंक्शन, सतना जंक्शन, कटनी, जबलपुर, पिपरिया, इटारसी जंक्शन, खंडवा जंक्शन, भुसावल जंक्शन, जलगांव जंक्शन, मनमाड़ जंक्शन एवं दौंड कॉर्ड लाइन स्टेशनों पर रुकेगी।

पत्नी से प्रताड़ित युवक फंदे पर झूला, पुलिस ने बचाया

इटारसी, देशबन्धु। पत्नी से प्रताड़ित एक युवक ने फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया, किन्तु पुलिस ने ऐनवक्त पर मौके पर पहुंचकर उसकी जान बचा ली। मामला इटारसी के मालवीयगंज क्षेत्र का है। पुलिस दोनों की काउंसिलिंग कराने का कह रही है।

ज्यादातर मामलों में महिलाएं पति से प्रताड़ित होकर थाने पहुंचती हैं, इस मामले में पति ने पत्नी से प्रताड़ित होकर यह खौफनाक कदम उठाने का प्रयास किया। रोज-रोज की पैसों की मांग से परेशान होकर पति अंकित केवट घर में पंखे से फंदा डालकर हवा में झूल गया। लेकिन अंकित की किस्मत अच्छी थी कि मौके पर सिटी पुलिस के प्रधान आरक्षक पहुंच गये और उसे मौत के मुंह मे जाने से बचा लिया। पुलिस प्रधान आरक्षक शिवकुमार जाधव जरा भी देर करते तो पंखे से युवक का शव लटका हुआ मिलता। अंकित ने बताया कि एक वर्ष पूर्व मेरा विवाह अंजलि कहार से हुआ था। कुछ समय बाद से मुझे मेरी पत्नी पैसों के लिये प्रताड़ित करने लगी। मैं रोज 500 से 700 रुपये कमाता हूं। 2000

रुपये कैसे दूंगा। पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर मैंने आत्महत्या करने का निर्णय लिया। लेकिन मौके पर ने पहुंचकर मुझे मरने से बचा लिया। उसने कहा कि उसे पत्नी से तलाक चाहिए। टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि डायल 100 पर अंकित की मां ने सूचना दी थी। तत्काल थाने से प्रधान आरक्षक शिवकुमार जाधव को भेजा गया। पंखे पर लगे फंदे पर लटक रहे युवक अंकित को प्रधान आरक्षक ने मौत के मुंह में जाने से बचाया। दोनों पति पत्नी को समझाइस दी जायेगी, कि दोनों एक साथ बिना लड़े रहें।

संविधान के अमृत महोत्सव अंतर्गत शपथ, प्रस्तावना, संविधान का पठन और बताए मौलिक कर्तव्य

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय बिरसामुंडा महाविद्यालय सुखतवा में राजनीति विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त आयोजन में साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान का अमृत महोत्सव विषय पर शपथ, संविधान का पठन, संविधान की प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्यों का वाचन और रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कामधेनु पटोदिया के निर्देशन में हुआ। मुख्य अतिथि राजनीति शास्त्र की सहायक प्राध्यापक डॉ मंजू मालवीय रही। इस दौरान महाविद्यालय से डॉ नीता राजपूत, डॉ हिमांशु चौरसिया, डॉ सतीश ठाकरे, डॉ प्रवीण कुशवाहा, डॉ वेद प्रकाश भारद्वाज, डॉ सौरभ तिवारी थे। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ राधा आशीष पांडे ने किया। सभी ने भारतीय संविधान की शपथ ली और संविधान का पठन किया। मुख्य अतिथि के तौर पर राजनीति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मंजू मालवीय ने सभी को मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। प्राचार्य श्रीमती कामधेनु पटोदिया ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हमें हमेशा इसकी निहित अधिकारों का उपयोग करना चाहिए और उसके अंतर्गत रहकर कार्य करने चाहिए। इसके पश्चात् एक रैली का आयोजन किया गया। समस्त विद्यार्थी और स्टाफ इसमें शामिल हुए। आभार डॉ प्रवीण कुशवाहा ने व्यक्त किया।

चोरी गई मोटर सायकिल के आरोपी को फरियादी ने तलाशकर पुलिस के हवाले किया

इटारसी, देशबन्धु। विगत 11 मार्च को केसला से एक नागरिक की मोटर सायकिल घर के सामने से चोरी हो गयी। फरियादी ने घटना की जानकारी केसला थाने में दी तो आवेदन लिया गया। अपनी मोटर सायकिल फरियादी ने इटारसी में गुरुद्वारा के सामने देखी और डायल 100 को खबर की। इटारसी डायल-100 ने आरोपी को पकड़कर थाने लाकर पूछताछ की और मामला केसला का होने से केसला पुलिस के हवाले किया। केसला पुलिस मोटर सायकिल चोर को केसला ले गयी।

मामले में फिलहाल केसला पुलिस ज्यादा बताने से परहेज कर रही है। थानेदार श्रीनाथ झरबड़े ने यह तो माना कि मोटर सायकिल चोरी हुई थी, और आरोपी को पकड़ लिया है, लेकिन इससे ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। फरियादी दिनेश राठौर ने बताया कि उनके घर के सामने से 11 मार्च को मोटर सायकिल चोरी हुई थी। उनको यह इटारसी में गुरुद्वारा के सामने दिखी तो उन्होंने पुलिस को इसकी खबर की। डायल-100 के माध्यम से उसे इटारसी थाने लाया गया और यहां से केसला थाने लाकर एफआईआर दर्ज की गई। दिनेश राठौर ने बताया कि चोर ने

मोटर सायकिल का हुलिया बदल दिया है। इसकी नंबर प्लेट हटा दी, सामने का मास्क निकाल दिया तथा और भी बदलाव कर दिये। लेकिन, उन्होंने इसके टायर से अपनी बाइक की पहचान की। दरअसल वे टायर को कई दिनों से बदलवाने का विचार कर रहे थे, टायर की जो स्थिति थी, उसे देखकर उन्होंने मोटर सायकिल को पहचाना और पुलिस को खबर की। उन्होंने कहा कि यहां कोई गिरोह सक्रिय है, जिसकी पुलिस को तलाश करना चाहिए।

बुजुर्ग पिता को घर से निकाला, अब न्यायालय ने सुनाया बेटों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह देने का फैसला

बैतूल, देशबन्धु। आमला न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए बुजुर्ग पिता को भरण पोषण का अधिकार दिलाया है। बेटों द्वारा घर और जमीन से बेदखल किए जाने के बाद बुजुर्ग ने न्यायालय में गुहार लगाई थी। अब कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी बेटे मिलकर उन्हें हर माह 5 हजार रुपए भरण पोषण राशि देंगे। इस फैसले से भविष्य में कोई भी बुजुर्गों को बेसहारा छोड़ने से पहले सोचने को मजबूर होगा।

बैतूल जिले की आमला तहसील के ग्राम ससुन्द्रा निवासी भद्?दू पिता इंदल ने अपने बेटों के खिलाफ न्यायालय में भरण पोषण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। भद्दू ने बताया कि उनके बेटों रमेश, सुभाष, कपूरचन्द, अमरचन्द्र और करमचन्द ने उन्हें घर से निकाल दिया और उनकी 30 एकड़ कृषि भूमि पर भी कब्जा कर लिया। वृद्धावस्था के कारण भद्?दू मजदूरी करने में असमर्थ हैं और उनके पास जीवनयापन के लिए कोई साधन नहीं है। भद्दू ने बताया कि बेटे उन्हें घर से बेदखल कर चुके हैं, उनकी जमीन भी हड़प ली है। इस स्थिति में उन्होंने न्यायालय से भरण पोषण के लिए सहायता मांगी। मामले की सुनवाई के दौरान बेटों को नोटिस दिया गया, लेकिन कुछ ने सूचना पत्र लेने से इंकार कर दिया। ऐसे में न्यायालय ने एकपक्षीय सुनवाई करते हुए बुजुर्ग पिता की व्यथा सुनी। अनावेदक पक्ष के कुछ पुत्रों ने अदालत में यह कहते हुए जवाब प्रस्तुत किया कि उन्हें पिता द्वारा कोई कृषि भूमि नहीं दी गई है और लगाए गए आरोप झूठे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि न्यायालय कोई भरण पोषण राशि निर्धारित करता है तो वे उसका पालन करेंगे। सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आमला न्यायालय के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने भद्दू के पक्ष में फैसला सुनाया। न्यायालय ने आदेश दिया कि रमेश पिता भद्दू, सुभाष पिता भद्दू, कपूरचन्द पिता भद्दू, अमरचन्द्र पिता भद्दू और करमचन्द पिता भद्?दू सभी को अपने पिता भद्दू को हर माह एक-एक हजार रुपए भरण पोषण राशि देनी होगी। इस प्रकार कुल 5 हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस आदेश का पालन नहीं किया गया तो माता-पिता भरण पोषण अधिनियम 2007 और 2009 के तहत संबंधित बेटों के खिलाफ कारावास की कार्रवाई भी की जा सकती है। थाना प्रभारी आमला को आदेश का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। न्यायालय के इस निर्णय ने यह साबित कर दिया है कि बुजुर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए न्याय हमेशा खड़ा है।

बैकुंठ धाम आश्रम में हनुमान चालीसा पाठ बच्चों को पढ़ाने की पाठशाला शुरू

● ग्राम सलैया, छुरी के बच्चे पहुंच रहे हैं हनुमान चालीसा पाठ में

सारनी, देशबन्धु। बैकुंठ धाम आश्रम सलैया के महंत एवं संस्थापक के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शनिवार और मंगलवार को सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का अध्ययन कैसे किया जाता है और इससे क्या-क्या लाभ होता है इसकी जानकारी देने का काम शुरू किया गया है।

बैकुंठ धाम आश्रम के संस्थापक सीताराम महाराज ने बताया कि सनातन धर्म के लोग अपने धर्म और गौ सेवा से हटते जा रहे हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए शनिवार और मंगलवार को सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों को पढ़ने और सीखने का कार्य शुरू किया गया है। जिसमें छुरी निवास करने वाले कृष्णा पटेल सहित अन्य आसपास के बच्चे सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पढ़ने आश्रम पहुंच रहे हैं। सीताराम दादा ने बताया कि मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। हनुमान चालीसा भगवान हनुमान की आराधना और पूजा के लिए एक बहुत ही पवित्र और शक्तिशाली मंत्र है। बच्चों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ करने से उन्हें कई लाभ हो सकते हैं जैसे की आध्यात्मिक ज्ञान और समझ की वृद्धि, मानसिक शांति और स्थिरता की प्राप्ति, आत्मविश्वास और साहस की वृद्धि, बुरी आदतों और विचारों से मुक्ति आपके बच्चे हनुमान चालीसा का पाठ करके न केवल आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे, बल्कि वे अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य भी बड़े आसानी से कर सकेंगे। आश्रम के महंत संगीतदास ने बताया कि सनातन धर्म पश्चिमी सभ्यता इस पर हावी होते जा रही है। ऐसे में सनातन धर्म और गौ रक्षा करने वाले लोगों को आगे आकर गुरुकुलों की स्थापना करके 5 वर्ष से लेकर बड़े बुजुर्गों तक के लोगों को एकजुट करके उन्हें अखंड सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के अलावा रामायण, गीता, महाभारत जैसे आध्यात्मिक पाठों और पुस्तकों का अध्ययन करवाने का कार्य किया जाना चाहिए हमारे माध्यम से एक छोटी सी पहल करने का प्रयास किया गया है, उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के वह लोग जो अपने बच्चों को सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पढ़वाना सिखवाना चाहते हैं ऐसे लोग ग्राम पंचायत सलैया के बैकुंठ धाम आश्रम में कभी भी आकर संपर्क कर सकते हैं।

सिवनी बानापुरा ने ग्वालियर को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, कोठी बाजार में चल रहे अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में मंगलवार 18 मार्च को सिवनी बानापुरा ने अपने शानदार प्रदर्शन से ग्वालियर की आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट अकादमी को प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 111 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सिवनी बानापुरा के प्रखर शर्मा ने टूर्नामेंट का सातवां शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने 85 गेंदों पर 103 रनों की तूफानी पारी खेली।

सिवनी बानापुरा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 283 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। प्रखर शर्मा की शानदार सेंचुरी के अलावा सौरभ वर्मा ने 52 गेंदों में 71 रन बनाए। दोनों ने मिलकर 110 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। वहीं अंत में संदीप ने 28 गेंदों में 47 रन बनाकर टीम का स्कोर और मजबूत कर दिया। ग्वालियर की ओर से अभिषेक गुर्जर ने प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। 284 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्वालियर की टीम 171 रन पर सिमट गई। ग्वालियर के रुद्र तोमर ने संघर्ष करते हुए 41 गेंदों में 63 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत दिलाने में असफल रहे। सिवनी बानापुरा की जीत में गेंदबाजों ने भी अहम भूमिका निभाई। नर्मदापुरम संभाग के चीफ सिलेक्टर सुनील क्लोसिया ने 4 विकेट चटकाए, जबकि सौरभ वर्मा ने 3 विकेट अपने नाम किए। शानदार शतक और एक विकेट लेने वाले प्रखर शर्मा को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। मैन ऑफ़ द मैच पत्रकार महेश साहू द्वारा प्रदान किया गया।

इस मैच में एक दिलचस्प पल तब देखने को मिला जब शिवम ने ट्रैक्टर पर छक्का मारा। उनके इस शानदार शॉट पर सोनालिका शोरूम के संचालक मुनि दीक्षित ने उन्हें एक हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी। इसके अलावा टूर्नामेंट का सातवां शतक जड़ने वाले प्रखर शर्मा को प्रवीण गर्ग द्वारा 500 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में नरेश शर्मा, आनंद प्रजापति, सीए प्रदीप खंडेलवाल, योगी खंडेलवाल और मुर्तजा भाई उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी। अब सिवनी बानापुरा की टीम क्वार्टर फाइनल में अपनी दावेदारी पेश करेगी। आज 19 मार्च का मुकाबला बैतूल प्रशासन और दतिया के बीच खेला जाएगा, जिसमें दर्शकों को एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक 20 को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1995 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में 20 मार्च 2025 गुरूवार को प्रात: 11 बजे से कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 एवं आकस्मिकता योजना नियम 1995 के तहत दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक 25 मार्च को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की समीक्षा के लिए संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की बैठक नर्मदापुरम संभागायुक?त श्री कृ?ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में 25 मार्च को सायं 4 बजे से कार्यालय आयुक्त, नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

नि:शुल्क बेसिक कम्प्यूटर कोर्स के लिये रजिस्ट्रेशन 21 तक

हरदा, देशबन्धु। तकनीकी शिक्षा संचालनालय मध्य प्रदेश शासन के द्वारा प्रोजेक्ट कोड के तहत जिले के ऐसे युवा जिनके पास कंप्यूटर नहीं है एवं अन्य कंप्यूटर सेंटर से शिक्षा प्राप्त करने में वे आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है, ऐसे युवाओं के लिए शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय हरदा में निशुल्क बेसिक कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की जावेगी। पॉलिटेक्निक कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अभिरूचि सिंह ने बताया कि कम्प्यूटर कोर्स के लिये कॉलेज में 17 से 21 मार्च तक रजिस्ट्रेशन होंगे। उन्होने बताया कि 24 मार्च से कोर्स प्रारंभ होगा। रजिस्ट्रेशन के संबंध में अधिक जानकारी के लिये कार्यालयीन कर्मचारी से संजू नवाड़े के, अमित गौर व पारुल श्रीवास से सम्पर्क किया जा सकता है।

कानून व्यवस्था संबंधी बैठक 21 को

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह आगामी 21 मार्च को जिले में कानून व्यवस्था संबंधी बैठक लेंगे। यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में वनमण्डल अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला आपूर्ति अधिकारी, खनिज अधिकारी, परिवहन अधिकारी, आबकारी अधिकारी, लोक अभियोजन अधिकारी, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण, सहायक पंजीयक सहकारिता, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर को भी उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये है।

ट्रांसफार्मर व बिजली के खम्बों के पास ठेले न लगाएं अन्यथा हो सकती है दुर्घटना

हरदा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि व्यापारीगण या फेरी वाले बिजली के वितरण ट्रांसफार्मर एवं पोल के आसपास हाथ ठेले या गुमठियां न लगाएं। ऐसा करने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। विद्युत वितरण कंपनी का कहना है कि कई स्थानों पर ऐसा देखने में आ रहा है, ऐसा करके लोग जहां अपनी जान को जोखिम में डाल रहे हैं, वहीं इस तरह से बिजली के खंभों या ट्रांसफार्मर से सटाकर ठेले पर सामान बेचना नियमों के विपरीत भी है। इसलिए यदि कहीं पर भी इस तरह की गतिविधियां हो रही हों तो स्वयं ही उन्हें हटा लें, अन्यथा विद्युत वितरण कंपनी को कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

रंगपंचमी पर्व पर आज बंद रहेंगी शराब की दुकानें

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आदित्य सिंह ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत 19 मार्च बुधवार को रंगपंचमी पर्व के दिन सुबह से शाम 4 बजे तक जिले की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानें एवं वाईन शॉप तथा स्टोरेज देशी मदिरा मद्य भांडागार के लिये शुष्क दिवस घोषित किया है। जारी आदेश अनुसार 19 मार्च बुधवार को जिले की सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानें एवं एम्बी वाईन शॉप बंद रखी जायेंगी तथा मदिरा का क्रय विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

भृत्य की एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम अनिल जैन ने बताया कि तहसील कार्यालय बनखेड़ी में पदस्थ भृत्य श्री नीलेश भल्लावी को विभागीय जांच उपरांत दोष सिद्ध पाए जाने पर आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने की शास्ति अधिरोपित कर निलंबन से बहाल कर दिया गया है। तहसीलदार, तहसील बनखेड़ी के प्रतिवेदन अनुसार, नीलेश भल्लवी द्वारा कार्यालयीन समय में मादक पदार्थ का सेवन कर कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार करने और बिना सूचना के अनुपस्थित रहने जैसी गंभीर अनियमितताएं की गई थीं। यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत पाए जाने के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच प्रारंभ की गई थी। विभागीय जांच के उपरांत, उन पर लगाए गए आरोप दोषसिद्ध पाए गए। संपूर्ण सुनवाई प्रक्रिया के दौरान उन्हें अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर प्रदान किया गया। जांच समिति के निर्णय के अनुसार, उनके आगामी एक वार्षिक वेतनवृद्धि को संचयी प्रभाव से रोकने की शास्ति अधिरोपित की गई तथा निलंबन समाप्त कर उन्हें पुन: तहसील कार्यालय बनखेड़ी में पदस्थ किया गया है एवं विभागीय जांच समाप्त की गई है।यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के प्रावधानों के तहत की गई है।

धार्मिक पर्व, पेयजल एवं सिंचाई व्यवस्था को लेकर जिलों में कानून व्यवस्था चाक चौबंद रहे: संभाग आयुक्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आगामी पर्व रंग पंचमी, चैत्र नवरात्रि एवं अन्य धार्मिक पर्व में जिलों में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे। प्रशासन सतर्क रहे, साथ ही आगामी दिनों में पेयजल एवं मूंग की फसल के लिए नहर से सिंचाई के लिए पानी दी जानी है इसको लेकर भी सभी जगह कानून एवं व्यवस्था की स्थिति शांतिपूर्वक रहे। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने मंगलवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नर्मदापुरम संभाग के बैतूल, नर्मदापुरम एवं हरदा जिले के कलेक्टर्स को दिए।

संभाग आयुक्त ने कहां की आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो, वैकल्पिक पेयजल के स्रोत उपलब्ध रहे। कहीं भी जनता में पेयजल को लेकर असंतोष ना रहे। उन्होंने आगामी मूंग की फसल के लिए नहर के माध्यम से दिए जाने वाले पानी को लेकर भी कानून व्यवस्था की स्थिति शांतिपूर्ण रखने के निर्देश दिए। संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए की सभी जिले शांति समिति की एवं किसान संगठन की बैठक लेकर प्राथमिकता से उत्पन्न होने वाले स्थिति का निराकरण करें। श्री तिवारी ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों की डाउन स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्तीकरण, रास्तों का विवाद, किसान फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना, नक्शा तरमीम, ई केवाईसी आर ओ आर लिंकिंग, राजस्व वसूली, प्रधानमंत्री किसान ई केवाईसी में हरदा, नर्मदापुरम और बैतूल जिले की वर्तमान रैंकिंग को सुधारने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने तहसीलदार को सक्रिय करें और उनसे बेहतर कार्य करवाना सुनिश्चित करें। सभी कलेक्टर्स ने अवगत कराया कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षा से बढ़कर कार्य करके दिखाया जाएगा, साथ ही राजस्व वसूली, नामांतरण, बटवारा के अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर रैंकिंग को सुधारा जाएगा। सभी कलेक्टर्स ने अवगत कराया कि शनिवार एवं रविवार को भी राजस्व अमला फार्मर रजिस्ट्री का कार्य संपादित कर रहा है। कमिश?नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर्स अपने तहसीलदार को राजस्व प्रकरण के निराकरण में प्रेरित करने का कार्य करें। आर आई से लेकर पटवारी तक स्पष्ट संदेश प्रेषित किया जाए कि राजस्व प्रकरण का निराकरण प्राथमिकता से समय सीमा में करना है।

संभाग आयुक्त श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की वर्षों पुराने एवं 50 वर्षों से बने अवैध मकान या दुकान यदि अवैध है तो उसे तोड़ने से पूर्व सभी साक्ष्य उस अवैध दुकान या मकान के जुटाए जाए तभी कार्रवाई की जाए। अन्यथा किसी को भी परेशान ना किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की जनसुनवाई में आने वाले उन प्रकरणों का तत्काल मौके पर ही निराकरण कर दिया जाए जो तत्काल निराकृत हो सकते हैं। ऐसे प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकरणों के निराकरण में सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए की सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कानून एवं व्यवस्था के अलावा विकास के कार्यों में भी रुचि लें एवं विकास के कार्य को संपन्न कराने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने अनुविभागीय राजस्व अधिकारी से डेवलपमेंट के कार्य भी कराए। सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अपनी अनु विभाग के ग्रामों मे व्याप्त पेयजल संकट एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। उन्होंने कहा कि ईपीएचई विभाग के कई कार्य कलेक्टर एवं एसडीएम के हस्तक्षेप से निराकृत हो जाते हैं। श्री तिवारी ने सीपीग्राम पोर्टल, सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई से प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए साथ ही लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश देते हुए कहां की जो अधिकारी प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नहीं कर रहे हैं ऐसे अधिकारियों पर कलेक्टर पेनाल्टी अधिरोपित करे। संभाग आयुक्त ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए पेयजल संकट से निपटने के लिए बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री तिवारी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों के साथ थर्ड फोटो पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने मछुआरा समृद्धि योजना अंतर्गत मछुआ कृषकों के ईकेवाईसी कार्ड लक्ष्य अनुसार बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने खनिज राजस्व की बकाया राजस्व वसूली की शत प्रतिशत वसूली 31 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदा पुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन एवं संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर ऑफलाइन उपस्थित रहे।

सिवनी मालवा, मिसरोद, इटारसी तथा सोहागपुर के लिए नहरों से पानी छोड़ने के लिए तिथियां प्रस्तावित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम में मंगलवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में हरदा जिले हेतु बायीं तट मुख्य नहर से 27 मार्च, तवा नहर संभाग सिवनी मालवा की रायगढ, मकढई एवं भिलाडियां नहरों के लिए 1 अप्रैल, मिसरोद उपसंभाग डोलरिया के लिए 3 अप्रैल, तवा परियोजना संभाग इटारसी के लिए 5 अप्रैल तथा पीबीसी संभाग सोहागपुर हेतु दायीं तट मुख्य नहर से 8 अप्रैल से जल प्रवाह शुरू करने के लिए तिथियां प्रस्तावित की गई। इस दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने समिति के सदस्यों को अवगत कराया कि नहर खोलने की अंतिम तिथि का निर्णय संभागीय बैठक उपरांत संभागायुक्त नर्मदापुरम संभाग श्री कृष्ण गोपाल तिवारी द्वारा लिया जाएगा, जिस पर समिति के सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। इस दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री (ईई) ने तवा जलाशय की वर्तमान जल संग्रहण स्थिति 946 एमसीएम होने की जानकारी दी। बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुजान सिंह रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय ओलंपियाड सम्मान समारोह आयोजित

कलेक्टर ने किया विद्यार्थियों का सम्मान

हरदा, देशबन्धु। जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों का सम्मान समारोह सरस्वती शिशु मंदिर गुलजार भवन हरदा के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर आदित्य सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ओलंपियाड परीक्षा में छात्रों की उपलब्धियों से स्पष्ट होता है कि शिक्षा के क्षेत्र में हम तेजी से आगे बढ़ रहें हैं। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की तार्किक व बौद्धिक क्षमता को विकसित करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। कलेक्टर श्री सिंह एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शन सिंह गहलोत द्वारा इस अवसर पर विद्यार्थियों, पालकों एवं शिक्षकों का सम्मान प्रमाण पत्र, स्कूल बैग, ट्रैकसूट एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

डीपीसी बलवंत पटेल ने बताया कि इस प्रतियोगिता परीक्षा का मुख्य उद्देश्य शासकीय शालाओं में अध्यनरत बच्चों को भविष्य में होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओ के लिए तैयार करना व बच्चों की तार्किक एवं बौद्धिक क्षमता को विकसित करना है। इस प्रतियोगिता में शासकीय माध्यमिक शाला राताताई की छात्रा कुमारी समृद्धि पिता शैलेश ने कक्षा आठवीं में हिंदी, संस्कृत एवं सामाजिक विज्ञान तीन विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता परीक्षा दो चरणों में आयोजित की गई थी। प्रथम चरण जन शिक्षा केंद्र स्तरीय प्रतियोगिता जिसमें 11074 विद्यार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिसमें से प्रत्येक जन शिक्षा केंद्र के प्रत्येक कक्षा के प्रति विषय दो-दो विद्यार्थियों का चयन किया गया । इस प्रकार कुल 1542 विद्यार्थी चयनित होकर जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से कक्षा 2 से 8 के प्रत्येक विषय के एक-एक विद्यार्थी का जिला स्तर कुल 32 विद्यार्थियों का चयन किया गया। यह प्रतियोगिता तीन भाग में आयोजित की गई जिसमें प्रथम भाग में कक्षा 2 से 3 हिंदी, अंग्रेजी व गणित, द्वितीय भाग में कक्षा 4 से 5 हिंदी, गणित, अंग्रेजी, पर्यावरण तथा तृतीय भाग में कक्षा 6 से 8 हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन ललित सोनी जन शिक्षक द्वारा किया गया । कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डी एस रघुवंशी द्वारा सभी उपस्थित अतिथियों, पालकों ,शिक्षकों एवं बच्चों का आभार व्यक्त किया गया।

जनसुनवाई -किरण बाई को मिलेगा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ, फुल्ला बाई का राजस्व रिकॉर्ड भी हुआ दुरुस्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई कक्ष में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने राजस्व, जल संसाधन, किसान कल्याण, स्वास्थ्य आदि से संबंधित समस्याओं सहित कुल 69 शिकायतो का निराकरण किया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतें तथा उनके निराकरण की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार भी जनसुनवाई कार्यक्रम से वीसी के माध्यम से जुड़े। जिससे कई शिकायतो का निराकरण जनसुनवाई के दौरान ही लिया गया। कलेक्टर ने विभिन्न तहसीलों से आए आवेदनकर्ताओं की शिकायतों पर त्वरित रूप से संज्ञान लेते हुए संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनसुनवाई की पूर्व शिकायतों की भी समीक्षा की।

जनसुनवाई में मटकुली निवासी फुल्ला बाई ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनकी भूमि के लिए बटवारा आदेश पारित होने के बावजूद अमल नहीं हो पा रहा है। इस पर कलेक्टर सुश्री मीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसीलदार पिपरिया को निर्देशित किया कि मामले की जांच कर बटवारा अमल की प्रक्रिया पूर्ण करें। तहसीलदार पिपरिया द्वारा जांच उपरांत जनसुनवाई के दौरान ही कलेक्टर को अवगत कराया गया कि नायब तहसीलदार द्वारा प्रकरण को अमल के लिए प्रोसेस कर दिया गया है, किंतु तकनीकी त्रुटि के कारण आदेश अमल में नहीं आ सका है। जैसे ही यह त्रुटि सुधार होगी, बटवारा आदेश अमल में आ जाएगा और पोर्टल पर भी दिखाई देने लगेगा। इसी प्रकार, नर्मदापुरम निवासी किरण बाई के वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित आवेदन पर कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) नर्मदापुरम को निर्देश दिये कि दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करें ताकि वृद्ध महिला को पेंशन का लाभ मिल सके।

एक अन्य मामले में मिसरोद, तहसील डोलरिया की मनीषा राठौर ने अपनी भूमि के गलत सीमांकन की शिकायत प्रस्तुत की। इस पर कलेक्टर ने अपर कलेक्टर श्री डी.के. सिंह को मामले की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आये सरपंच आनंद रघुवंशी निवासी ग्राम पंचायत सूरजपुर तहसील सिवनी मालवा नर्मदापुरम द्वारा ग्राम पंचायत क्षेत्र की मोरन नदी के पुल के पास अज्ञात लोगों द्वारा टीन शेड बना कर अवैध अतिक्रमण करने संबंधी शिकायत प्रस्तुत करते हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। वीसी के माध्यम से उपस्थित तहसीलदार सिवनी मालवा को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मौके पर जाकर जांच की जाए तथा अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को शीघ्र ही हटाया जाए। जनसुनवाई के दौरान कोविड महामारी के दौरान दिवंगत शासकीय कर्मचारी सैयद सादिक अली की पत्नी ने अपने पुत्र की अनुकंपा नियुक्ति की मांग की, उन्होंने बताया कि उनके पति शासकीय आर एन ए उत्कृष्ट उमावि में सहा0 ग्रेड 03के पद पर कार्यरत थे। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि आवेदन में उल्लेखित व्यक्ति की पात्रतानुसार उन्हें अनुकंपा का लाभ दिया जाए। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सौजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टरअनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा गुर्जर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सिक्युरिटी गार्ड एवं सुपरवाईजर हेतु आयोजित किए जाएंगे रोजगार कैम्प

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कमॉडेंट कार्यालय पुणे द्वारा नर्मदापुरम जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सिक्युरिटी गार्ड एव एवं सुपरवाईजर हेतु रोजगार कैम्प आयोजित किए जाएंगे।रोजगार कैम्प जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पिपरिया वि.ख. की जनपद पंचायत में 24 मार्च एवं 2 अप्रैल को, सोहागपुर वि.ख. की जनपद पंचायत में 25 मार्च एवं 3 अप्रैल को, सिवनीमालवा वि.ख. की जनपद पंचायत में 26 मार्च एवं 4 अप्रैल को, केसला वि.ख. की जनपद पंचायत में 27 मार्च एवं 8 अप्रैल को, नर्मदापुरम वि.ख. की जनपद पंचायत में 28 मार्च एवं 9 अप्रैल को, माखननगर वि.ख. की जनपद पंचायत में 29 मार्च एवं 10 अप्रैल को तथा बनखेड़ी वि.ख. की जनपद पंचायत में 30 मार्च एवं 11 अप्रैल को रोजगार कैम्प आयोजित किए जाएंगे। उक्त सभी रोजगार कैम्पों का आयोजन प्रात- 10 बजे से 4 बजे तक किया जाएगा। तत्संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौजान सिंह रावत ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जिला नर्मदापुरम को निर्देशित किया है कि वे उक्त रोजगार कैम्पों संबंधी आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग द्वारा कार्यवाही जारी है। राजस्व और खनिज विभाग ने तालाखेड़ी, सोहागपुर से 01 डम्पर (एमपी 05जी8615) को मिट्टी खनिज के अवैध भंडारण में लिप्त पाया और उसे जप्त कर लिया। ग्राम चौतलाय, तहसील सिवनीमालवा से 1 पोकलेन मशीन और 1 डम्पर (एमपी 05जी 8584) को मुरूम खनिज के अवैध उत्खनन में लिप्त पाया गया और 1 अन्य डम्पर (एमपी 38 एच1277) को गिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उक्त कार्यवाहियों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम दिवेश मरकाम, जिला खनि अधिकारी, तहसीलदार डोलरिया, नायब तहसीलदार सोहागपुर पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक श्री कृ?णकांत सिंह परस्ते, प्र खनि निरीक्षक हेमन्त राज, खनिज सिपाही और होमगार्ड बल मौजूद रहे। जप्त वाहनों के खिलाफ मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

1995 लीज नवीनीकरण हेतु प्रति दिवस सुनवाई - नजूल अधिकारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नजूल अधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत द्वारा 1995 लीज नवीनीकरण से संबंधित कार्यवाही की सुनवाई प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से की जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत आवेदनकर्ताओं को आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

नजूल अधिकारी ने बताया कि असुविधा से बचने के लिए आवेदन के साथ पूर्व में जारी किए गए लीज दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि प्राथमिक आवेदनकर्ता की मृत्यु हो चुकी है, तो नामांतरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही नवीनीकरण के लिए आवेदन स्वीकार किया जाएगा। इसके अलावा, यदि लीज स्वरूप में कोई परिवर्तन हुआ है, तो उसके संबंध में स्पष्ट प्रतिवेदन भी आवेदन के साथ संलग्न किया जाना आवश्यक होगा। उन्होंने आगे जानकारी दी कि लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया से पहले समस्त दस्तावेजों का विस्तारपूर्वक परीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत ही आगामी कार्यवाही संपन्न की जाएगी। अनुमानित रूप से 5000 से अधिक लीज नवीनीकरण के प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा। यदि आवेदनकर्ता नाबालिग है, तो नवीनीकरण प्रक्रिया नवीनीकरण नियम एवं अधिनियम के तहत नियमानुसार संपादित की जाएगी। नजूल अधिकारी ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे आवेदन जमा करने से पूर्व लीज नवीनीकरण के सभी नियमों का अवलोकन करें और प्रमाणित दस्तावेजों को संलग्न करने के उपरांत ही आवेदन प्रस्तुत करें।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनी

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, इटारसी

इश्तहार

रा.प्र.क्र. 0086 अ-20(3) वर्ष 2024-25

आम जनता को इस इश्तहार प्रेस मुनादी के जरिये सूचित किया जाता है आवेदकगण किरीट कुमार, दर्गेश कुमार, दिनेश कुमार तीनों आ. स्व. दामोदर भाई चावरा निवासी सरकारी बस स्टैण्ड के सामने, कृष्णा लॉज नर्मदापुरम तह. व जिला नर्मदापुरम ने इस आशय का आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 म.प्र. भू. रा. संहिता प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि नजूल शीट नं. 09 प्लाट नं. 6 रकबा 12000 वर्गफुट भूमि जो नजूल अभिलेख में आवेदक क्रमांक 1 से 3 तथा श्रीमति पुष्पा बेन जो आवेदक क्रमांक 1 लगायत 3 की माँ थी, उनका स्वर्गवास दिनांक 23.03.2016 को नैसर्गिक रूप से हो गया है, और आवेदक 1 लगायत 3 पूर्व से उक्त वर्णित तालाब मोहल्ला इटारसी स्थित सम्पति के राजस्व अभिलेखों में मालिक की हैसियत से नाम दर्ज है। श्रीमति पुष्पा बेन विधवा दामोदर का नाम उनकी मृत्यु दिनांक 23.03.2016 को हो जाने के कारण राजस्व अभिलेखों से विलोपित/काटा जाना आवश्यक हो गया है। स्व. श्रीमति पुष्पा बेन के तीनों पुत्र पूर्व से राजस्व अभिलेख पर है। इनके अतिरिक्त श्रीमति पुष्पा बेन का अन्य कोई उत्तराधिकारी नहीं है। अत: आवेदकगणों द्वारा उक्त वर्णित संपत्ति पर से श्रीमति पुष्पा बेन विधवा दामोदर की मृत्यु हो जाने से उनका नाम विलोपित किये जाने का अनुरोध किया है।

आवेदकगण के उक्त आवेदन पर जनसामान्य को कोई आपति या कोई दावा प्रस्तुत करना हो तो वह प्रकरण के सुनवाई दिनांक **24.03.2025** तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय नजूल अधिकारी इटारसी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय अवधि में दावा या आपत्ति पेश न होने की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर आदेश पारित किया जावेगा।

नोट:- नियत तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में प्रकरण की कार्यवाही आगामी कार्य दिवस में होगी।

नजूल अधिकारी, इटारसी

न्यायालय नजूल अधिकारी, इटारसी

इश्तहार

रा. प्र.क्र. 0090 अ-20 (3) वर्ष 2024-25

आम जनता को इस इश्तहार प्रेस मुनादी के जरिये सूचित किया जाता है आवेदकगण श्रीमती सविता बेन चावरा पत्नि स्व. विश्राम मावजी चावरा एवं अन्य निवासी सरकारी बस स्टेण्ड के सामने कृष्णापुरी वार्ड नर्मदापुरम ने इस आशय का आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा 109, 110 म.प्र. भू. रा. संहिता प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि नजूल शीट नं. 09 प्लाट नं. 6 रकबा 12000 वर्गफुट भूमि जो नजूल अभिलेख में मनोज चावरा वल्द विश्राम मावजी चावरा के नाम सहस्वामी की हैसियत से दर्ज है। प्लाट नं. 06 के सहस्वामी मनोज चावरा वल्द स्व विश्राम मावजी चावरा का निधन दिनांक 19.02.2010 को निसंतान हो गया है। मनोज चावरा के वारसानों में मॉ श्रीमती सविता वेन एवं भाई दीपेश चावरा है, इसके अलावा अन्य कोई वैध वारसान नहीं है। मनोज चावरा की मृत्यु निंवसीयत हुई है। आवेदकगण मनोज चावरा के वैध वारसान हैं एवं उत्तराधिकारी है। आवेदकगण मनोज चावरा के वैध वारसान होने के नाते उक्त वर्णित भूमि पर से मनोज चावरा का नाम विलोपित कर आवेदकगणों का नाम दर्ज कराना चाहते है। अत: आवेदकगणों द्वारा उक्त वर्णित संपत्ति पर उत्तराधिकारी क्रम में फौती के आधार पर आवेदकगणों का नाम दर्ज किये जाने का अनुरोध किया है।

आवेदकगण के उक्त आवेदन पर जनसामान्य को कोई आपति या कोई दावा प्रस्तुत करना हो तो वह प्रकरण के सुनवाई दिनांक **24.03.2025** तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय नजूल अधिकारी इटारसी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय अवधि में दावा या आपत्ति पेश न होने की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर आदेश पारित किया जावेगा।

नोट:- नियत तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में प्रकरण की कार्यवाही आगामी कार्य दिवस में होगी।

नजूल अधिकारी, इटारसी

नर्मदापुरम, बुधवार 19 मार्च 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या मिलेगा

आजाद भारत में महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पहली बार सांप्रदायिक हिंसा की घटना हुई है। सौ साल पहले 1923 में तत्कालीन सी पी एंड बरार की राजधानी नागपुर में हिंदू-मुस्लिम झगड़े हुए थे, 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यहां स्थापना हुई, मुख्यालय बना और उसके बाद 1927 में फिर यह शहर सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में आया था। लेकिन आजादी के बाद नागपुर में सांप्रदायिक सद्भाव कायम रहा। संघ की गतिविधियों के बावजूद इस शहर में अमन-चैन कायम रहा तो इसका बड़ा श्रेय यहां की जनता को दिया जाना चाहिए। लेकिन सोमवार को जिस तरह यहां एक अनावश्यक विवाद और उकसावे के बाद हिंसा भड़क गई, उसे देखकर यह दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जनता का एक वर्ग अपने विवेक को ताक पर रखकर सांप्रदायिक राजनीति में उलझ गया, जिसमें अंतत: नुकसान उसी का होना है।

इस हिंसा की पहली जिम्मेदारी सीधे तौर पर राज्य और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा पर आती है, हालांकि देश और दुनिया की सबसे ताकतवर कही जाने वाली इस पार्टी में जिम्मेदारी उठाने के कोई संस्कार नजर नहीं आते। अलबत्ता एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की होड़ यहां लगी रहती है। इसलिए यह उम्मीद करना बेमानी है कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस इस हिंसा में अपनी सरकार की नाकामी स्वीकार करेंगे, उनके इस्तीफे का तो सवाल ही नहीं उठता, जिसकी मांग विपक्ष उठा चुका है। नागपुर श्री फड़नवीस का गृहनगर है। उनकी राजनीति की शुरुआत यहीं से हुई। इस बार भी उन्होंने यहीं से चुनाव जीता है। उनके अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री नितिन गडकरी भी नागपुर से ही हैं। श्री गडकरी भी नागपुर से ही सांसद बने हैं। भाजपा के इन दो कद्दावर नेताओं के रहते यहां किस तरह सांप्रदायिक शक्तियों को सिर उठाने का मौका मिला, यह सवाल तो भाजपा से बना है। दूसरा सवाल यह है कि सोमवार सुबह से ही नागपुर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे, तब पुलिस प्रशासन सतर्क क्यों नहीं हुआ। क्या इस महकमे को अहसास नहीं था कि इस तरह की घटनाएं अक्सर किस अंजाम को पहुंचती हैं। तीसरा सवाल, देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री होने के साथ-साथ गृह मंत्रालय भी संभाल रहे हैं और जब वे उपमुख्यमंत्री थे, तब भी गृहविभाग उनके ही पास था, फिर भी वे इतने बेखबर कैसे रहे कि उनके राज्य और उनके अपने शहर में कौन सी चिंगारी सुलग रही है। या इस चिंगारी को सुलगने और भड़कने देने का इंतजार उन्हें किन्हीं खास वजहों से था।

खैर, भाजपा या उसकी सरकार इन सवालों के जवाब देने की जगह विपक्ष को ही राजनीति करने का जिम्मेदार ठहरा देगी, इसकी पूरी उम्मीद है। नागपुर के अलावा सोमवार को महाराष्ट्र के कई और शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए, गनीमत है कि किसी अप्रिय घटना की खबर और कहीं से नहीं आई। फिलहाल एक अहम मुद्दे पर विचार करना जरूरी है कि हिंदूवादी संगठनों को यकायक औरंगजेब की कब्र हटाने का जुनून कैसे सवार हो गया है और इसके लिए कारसेवा का आह्वान कर बाबरी मस्जिद तोड़ने की घटना किस प्रयोजन से याद दिलाई जा रही है? ऐसा नहीं है कि औरंगजेब की आलोचना पहली बार हुई हो। इतिहास के पन्नों में औरंगजेब को एक क्रूर शासक के तौर पर ही दर्ज किया गया है। लेकिन उस क्रूरता को वर्तमान में हिंसा और नफरत कायम करने की मूर्खता अभी की जा रही है। हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा के आने के बाद औरंगजेब पर विवाद और गहराया। इस फिल्म में शिवाजी के बेटे संभाजी की वीरता को दिखाना उद्देश्य था, लेकिन धर्म के उन्माद में डूबी जनता ने इसमें औरंगजेब के क्रूर चरित्र पर ज्यादा गौर फरमाया। रही-सही कसर बेतुकी राजनैतिक बयानबाजियों ने पूरी कर दी।

इस पूरे प्रकरण की कड़ी से कड़ी मिलाएं तो नजर आएगा कि जो कुछ भी कहा गया, आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए, ऐतिहासिक घटनाओं का मनमाना विश्लेषण हुआ, वह सब अनायास नहीं है, बल्कि एक चाल चलकर आगे की चार चालों का हिसाब लगाकर सारा खेल रचा गया। सपा सांसद अबू आजमी ने औरंगजेब के बारे में कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता और संपत्ति के लिए लड़ाई थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई हिंदू और मुसलमान को लेकर थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। इस बयान पर महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हुआ, तो श्री आजमी को विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने सफाई भी दी कि उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। लेकिन तब तक लाड़ली बहना योजना, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा जैसे अनेक मुद्दों पर घिरी फड़नवीस सरकार को एक नया मुद्दा मिल गया और इसे भाजपा ने भी फौरन लपक लिया। महाराष्ट्र के विवाद की आग जल्द ही देश के दूसरे हिस्सों में फैल गई और एकदम से हिंदूवादी संगठनों को औरंगजेब की कब्र हटाने का ख्याल आ गया। खुद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा था कि पुरातात्विक संरक्षित स्मारक होने के कारण वे इसे हटा नहीं सकते। किसी ने औरंगजेब की कब्र को शौचालय बनाने कहा, किसी ने अरब सागर में फेंकने का सुझाव दिया। अब एक भाजपा नेता ने कहा है कि इस पर थूकने की इजाज़त दी जाए, तो इससे महाराष्ट्र में पर्यटन बढ़ेगा।

इस किस्म की बातों से भाजपा की इतिहास की समझ और नजरिए दोनों का अंदाज लगाया जा सकता है। औरंगजेब की कब्र अब कब तक कायम रहेगी या नहीं रहेगी, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन ऐसी बातों में उलझने वालों को विचार करना चाहिए कि इससे वर्तमान की समस्याएं क्या हल हो जाएंगी। लोगों के पास रोजगार नहीं है, 80 करोड़ लोग अपने आत्मसम्मान की कीमत पर पांच किलो राशन लेने के लिए कतारों में खड़े होते हैं, हमारे नागरिकों को अमेरिका जंजीरों में कैद करके वापस भेज रहा है, नोटबंदी का हिसाब अभी दिया नहीं गया है, कोरोना काल से अकाल मौतों का सिलसिला अब तक नहीं थमा है। क्या भूतकाल के गड़े मुर्दे उखाड़ने से वर्तमान और भविष्य सुधरेगा, कदापि नहीं। इसलिए हिंदुस्तान की जनता अपने चिर-परिचित विवेक का इस्तेमाल करे और भड़काने वालों को करारा जवाब दे।

नागपुर हिंसा : सत्ता का नया प्रयोग या देश को दंगे की आग में झोंकने की साजिश?

■ सचिन श्रीवास्तव

ऐतिहासिक रूप से भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलनों का केंद्र रहा नागपुर, आज भाजपा और आरएसएस की विभाजनकारी राजनीति का नया शिकार बन चुका है। हाल ही में हुई हिंसा, जिसमें कई पुलिसकर्मी और नागरिक घायल हुए, यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता की प्रयोगशाला में सांप्रदायिकता का एक और नया अध्याय जोड़ा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या भाजपा और संघ परिवार को फिर से देश को दंगों की आग में झोंकना है, या यह सिर्फ एक चुनावी रणनीति है ताकि असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके?

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने नागपुर में हुई हिंसा को 'सुनियोजित हमला' बताया, लेकिन वे इस सवाल पर चुप्पी साध गये कि आखिर यह योजना बनाई किसने? भाजपा नेताओं और संघ से जुड़े संगठनों के बयानों को देखें तो यह साफ़ होता है कि धार्मिक कट्टरता को बढ़ाने के लिए एक सोची-समझी साजिश रची जा रही है।

फिल्म 'छावा' को बहाना बनाकर जिस तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं, वह कोई अचानक भड़का आक्रोश नहीं था, बल्कि यह हिंदुत्ववादी एजेंडे का एक हिस्सा था। संघ परिवार हमेशा से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के नाम पर भारतीय समाज को धार्मिक आधार पर विभाजित करता आया है। यह हिंसा उसी रणनीति का नतीजा थी, जिसमें इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया और जनता को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने का प्रयास किया गया।

संघ की राजनीति हमेशा से तीन मुख्य लक्ष्यों पर केंद्रित रही है। पहला, एक संविधान की धर्मनिरपेक्षता को कमज़ोर करना, दूसरा व्यक्ति स्वतंत्रता पर हमला और तीसरा लक्ष्य है भय का वातावरण बनाना।

संघ को भारत का धर्मनिरपेक्ष संविधान कभी स्वीकार नहीं था। गोलवलकर से लेकर मोहन भागवत तक, संघ के प्रमुख नेताओं ने हमेशा यह कहा है कि भारत में हिंदू राष्ट्र की स्थापना होनी चाहिए। यह विचारधारा सीधे भारतीय संविधान के खिलाफ जाती है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है।

दूसरे, किसी भी लोकतांत्रिक समाज में व्यक्ति को अपनी धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के अनुसार जीने की आज़ादी होती है। लेकिन संघ का पूरा ढांचा इस विचारधारा के खिलाफ खड़ा है। महिलाओं के अधिकारों से लेकर अल्पसंख्यकों के जीवन तक, हर जगह यह संगठन लोगों की व्यक्तिगत आज़ादी को खत्म करने के लिए प्रयासरत है।

तीसरा, संघ और भाजपा की राजनीति भय पर टिकी हुई है। एक समुदाय को दूसरे से डराने की रणनीति को यह संगठन बड़ी बारीकी से अपनाता है। कभी लव जिहाद के नाम पर, कभी मॉब लिंचिंग के जरिये, कभी फिल्म या किताबों के बहाने, संघ का एक ही उद्देश्य होता है – अल्पसंख्यकों को हाशिए पर धकेलना और बहुसंख्यक समुदाय को असुरक्षा का झूठा अहसास दिलाकर उग्र हिंदुत्व की राजनीति को मजबूत करना।

> **मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने नागपुर में हुई हिंसा को 'सुनियोजित हमला' बताया, लेकिन वे इस सवाल पर चुप्पी साध गये कि आखिर यह योजना बनाई किसने? भाजपा नेताओं और संघ से जुड़े संगठनों के बयानों को देखें तो यह साफ़ होता है कि धार्मिक कट्टरता को बढ़ाने के लिए एक सोची-समझी साजिश रची जा रही है।**

इतिहास को देखें, तो भाजपा और संघ की इस राजनीति के कई उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह 1992 का बाबरी विध्वंस हो, 2002 का गुजरात दंगा हो, 2013 का मुजफ्फरनगर दंगा हो या नागरिकता कानून विरोधी आंदोलन के दौरान दिल्ली हिंसा (2020), जिसमें एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन को सांप्रदायिक हिंसा में बदल दिया गया। यह सभी घटनाएं बताती हैं कि भाजपा और संघ की राजनीति सिर्फ और सिर्फ विभाजन पर आधारित है।

नागपुर में हुई इस हिंसा के पीछे भाजपा की असल मंशा आगामी चुनावों के लिए ध्रुवीकरण है। जिस तरह देश में आर्थिक संकट और बेरोजगारी बढ़ रही है, भाजपा के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है। ऐसे में विभाजनकारी राजनीति ही उसका आखिरी हथियार है।

साथ ही वह संविधान को कमजोर करने की योजना के लिए जमीन तैयार कर रही है। हाल ही में बार-बार संविधान बदलने की बात की जा रही है। फड़नवीस सरकार और संघ की विचारधारा का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत धीरे-धीरे हिंदू राष्ट्र की ओर बढ़े। इसके अलावा ध्यान भटकाने की अपनी परखी हुई रणनीति के तहत भाजपा ने अडानी, बेरोजगारी, महंगाई, किसान आंदोलन, शिक्षा नीति जैसे मुद्दों पर बहस न हो, इसके लिए धार्मिक उन्माद का सहारा लिया है।

संविधान कहता है कि भारत सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों वाला देश है, लेकिन भाजपा और संघ की राजनीति एक अलग ही तस्वीर पेश करती है। लव जिहाद, गौ हत्या, धर्मांतरण जैसे मुद्दों को उठाकर अल्पसंख्यकों के खिलाफ कानूनी हथियार तैयार किए जा रहे हैं। बुलडोजर राजनीति के जरिये मुसलमानों और दलितों के घरों को ध्वस्त किया जा रहा है। मदरसों, हिजाब और हलाल पर हमले करके मुसलमानों की सांस्कृतिक पहचान को खत्म करने की कोशिश हो रही है। सोशल मीडिया पर हेट स्पीच और गोडसे की महिमा गाने वाले ट्रेंड को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भाजपा और संघ यह अच्छी तरह जानते हैं कि अगर जनता असली मुद्दों पर सवाल पूछने लगी, तो उनकी सत्ता खतरे में पड़ जायेगी। इसलिए बार-बार देश को सांप्रदायिक हिंसा की ओर धकेलने की कोशिश की जाती है। कभी इतिहास को विकृत करके, कभी फिल्मों और किताबों के माध्यम से, कभी हिंदू-मुस्लिम विवादों को बढ़ावा देकर, कभी सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाकर, तो कभी पुलिस और प्रशासन को सांप्रदायिक एजेंडे में ढालकर।

और अंत में

आज जब भाजपा-संघ का एजेंडा संविधान, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे के खिलाफ खुलकर सामने आ रहा है, तब इसकी वैचारिक लड़ाई तेज करने की ज़रूरत है। शिक्षा और मीडिया पर संघ के कब्जे को चुनौती देना आज वक्त की ज़रूरत है। साथ ही इतिहास और संस्कृति के नाम पर फैलाए जा रहे झूठ का पर्दाफ़ाश करना, अल्पसंख्यकों और कमज़ोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होना और लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के समर्थन में बड़े सामाजिक आंदोलन खड़े करने की ज़रूरत है।

नागपुर हिंसा और उससे जुड़ी राजनीति यह बताने के लिए काफ़ी है कि भाजपा और संघ का असली उद्देश्य जनता को आपस में लड़वाकर अपनी सत्ता बनाये रखना है। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की अमन पसंद अवाम इसे होने देगी?

भाषा के मुद्दे पर तमिलनाडु का केंद्र के साथ टकराव बहुत दूर तक चला गया

■ कल्याणी शंकर

गुरुवार को, तमिलनाडु ने अपने बजट दस्तावेज़ में आधिकारिक रुपये के प्रतीक(?) को तमिल अक्षर से (??) बदलकर एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन किया। उच्चारित, यह अक्षर तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा का प्रतिनिधित्व करता है और इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रतीक को बदलने के फैसले का वैश्विक प्रभाव पर व्यापक असर हो सकता है। रुपया भारत की संप्रभुता के सबसे महत्वपूर्ण प्रतीकों में से एक है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले हैं। कुछ लोगों का मानना है कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक (डीएमके)इसे चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के खिलाफ एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाते हुए, तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 2025 के बजट में आधिकारिक रुपये के प्रतीक (?) को तमिल वर्ण से बदल दिया। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की घोषणा कि राज्य के 2025-26 के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक का उपयोग किया जायेगा, इस निर्णय के महत्वपूर्ण प्रभाव को रेखांकित करता है। राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके भाषा के मुद्दों सहित कई मुद्दों पर केन्द्र से साथ टकराव की स्थिति में है।

> **सरकार ने तमिल शब्द 'रुबाई' के पहले अक्षर 'रु' के साथ एक लोगो जारी किया, जिसका अर्थ है मुद्रा। लोगो में कैप्शन है 'सब कुछ सबके लिए।' इसका उद्देश्य समावेशिता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाना है और इसका उद्देश्य अपनी विविध आबादी के बीच एकता बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तीन-भाषा सूत्र पर असहमति और बढ़ गयी है, खासकर भाषा को लेकर।**

सोशल मीडिया एक्स पर हाल ही में एक पोस्ट में, स्टालिन ने नये लोगो का एक टीज़र वीडियो साझा किया। इसमें हैशटैगद्रविडियन मॉडल और टीएन बजट-2025 के साथ लिखा था, 'तमिलनाडु के व्यापक विकास को सुनिश्चित करना और समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाना।' लोगो में च्सब कुछ सबके लिए' भी लिखा था, जो स्पष्ट रूप से समावेशी शासन के लिए डीएमके की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सरकार ने तमिल शब्द 'रुबाई' के पहले अक्षर 'रु' के साथ एक लोगो जारी किया, जिसका अर्थ है मुद्रा। लोगो में कैप्शन है 'सब कुछ सबके लिए।' इसका उद्देश्य समावेशिता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाना है और इसका उद्देश्य अपनी विविध आबादी के बीच एकता बनाना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तीन-भाषा सूत्र पर असहमति और बढ़ गयी है। नया विवाद तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को और बढ़ाता है, खासकर भाषा को लेकर। तमिलनाडु ने केंद्र के त्रि-भाषा फॉर्मूला का विरोध किया है, तथा यह जोर देकर कहता है कि तमिलनाडु अपना द्वि-भाषा फॉर्मूला जारी रखेगा। डीएमके का कहना है कि तमिलनाडु ब्रिटिश उपनिवेशवाद के स्थान पर अब 'हिंदी उपनिवेशवाद' को स्वीकार नहीं करेगा। केंद्र सरकार राज्य सरकार पर 'बेईमान' होने और राजनीतिक कारणों से छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाती है।

अपने बजट दस्तावेज़ में, तमिलनाडु ने रुपये के प्रतीक को तमिल अक्षर '??' से बदल दिया, जिससे पता चलता है कि सरकार तमिल संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके विपरीत, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पूरे भारत में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का उपयोग करने का समर्थन करती है। तमिलनाडु भाषाई विविधता को बढ़ावा देता है और अपनी संस्कृति और पहचान पर गर्व को प्रोत्साहित करता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डीएमके पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को तब विरोध करना चाहिए था जब 2010 में यूपीए ने रुपये का प्रतीक अपनाया था। डीएमके केंद्र में सत्तारूढ़ यूपीए गठबंधन का हिस्सा थी।

तमिलनाडु 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक को अस्वीकार करने वाला पहला राज्य है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रति राज्य के चल रहे प्रतिरोध को दर्शाता है। रुपये का प्रतीक '?' उदय कुमार द्वारा बनाया गया था, जो डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं और वर्तमान में आईआईटी में प्रोफेसर के रूप में काम करते हैं।

2010 से पहले, लोग अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय रुपये के लिए 'रु' या 'आईएनआर' संक्षिप्त रूप का उपयोग करते थे। इसे कभी-कभी पाकिस्तानी और श्रीलंकाई रुपये के साथ भ्रमित किया जाता है। 2009 में, वित्त मंत्रालय ने रुपये के नये प्रतीक के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की। उन्होंने डिजाइनरों, कलाकारों और जनता को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। लक्ष्य एक ऐसा प्रतीक बनाना था जो भारत की आर्थिक ताकत को दर्शाता हो और इसकी सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता हो।

यह प्रतीक दुनिया में भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति और प्रभाव को दर्शाता है। व्यापक शोध के बाद उदय कुमार धर्मलिंगम ने रुपया (?) प्रतीक बनाया। उन्होंने रुपये के लिए देवनागरी -र' को रोमन 'आर' के साथ जोड़ा। इससे प्रतीक को एक अनूठी भारतीय पहचान मिलती है और हर जगह के लोगों के लिए इसे पहचानना आसान हो जाता है। हालाँकि, तमिलनाडु सरकार इस प्रतीक का समर्थन नहीं करती है। वह अपनी भाषा को महत्व देती है और देवनागरी लिपि पर आधारित डिज़ाइन का उपयोग नहीं करना चाहती।

जब सरकार ने गुरुवार को विधेयक पेश किया, तो तमिलनाडु राज्य विधानसभा के भाजपा सदस्यों और अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) सदस्यों ने स्टालिन के प्रतीक परिवर्तन का विरोध किया। यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को दर्शाता है।

आर्य और द्रविड़ समुदायों के बीच संघर्ष एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मुद्दा है। तमिलनाडु तमिल भाषा का जोरदार बचाव करता है और रुपया प्रतीक को अस्वीकार करने वाला एकमात्र राज्य है। यह निर्णय राज्य की अर्थव्यवस्था और केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। मुख्यमंत्री स्टालिन का लक्ष्य भाषा के मुद्दे पर एक मजबूत छवि बनाये रखना है।

भारतीय रुपया वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इसे चीन के रेनमिनबी (आरएमबी) के साथ-साथ एक संभावित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में देखता है। कई देश अब भुगतान के लिए रुपया स्वीकार करते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत ने ऐसे व्यापार समझौते किये हैं जिनमें विनिमय के लिए रुपये का उपयोग किया जाता है।

समस्या का सार यह है कि क्या तमिलनाडु को दो या तीन भाषाओं के फॉर्मूले का उपयोग करना चाहिए। चिंता यह है कि तीसरी भाषा सीखना तमिलनाडु के छात्रों के लिए एक अतिरिक्त बोझ हो सकता है और इससे पूरे भारत में हिंदी का प्रभुत्व भी बढ़ सकता है। केंद्र और राज्य को एक साथ बैठकर एक उपयुक्त फॉर्मूला खोजना चाहिए।

ललित सुरजन की कलम से

नेसार नाज़: आज की कहानियां

नेसार नाज़ के कहानी संकलन का शीर्षक है- हांफता हुआ शोर । इसमें कुल जमा ग्यारह कहानियां हैं। संकलन की प्रस्तावना जाने-माने कवि-कथाकार अनवर सुहैल ने लिखी है। उन्होंने इन्हें छोटे फलक की बड़ी कहानियां निरुपित किया है। सुहैल नेसार नाज़ को एक तरफ मंटों और दूसरी तरफ प्रेमचंद की परंपरा से जोड़ते हैं। उन्होंने जो स्थापना की है उसकी विवेचना सुधी समीक्षक करेंगे। मैंने जब इन रचनाओं को पढ़ा तो एकबारगी ही प्रभावित हुआ। संकलन की पहली कहानी का शीर्षक है 'पुल'। यह न नदी का पुल है, न सड़क का, न रेलवे का पुल। यह भौतिक पुल नहीं है, अपितु मनुष्य को मनुष्य से जोडऩे वाला अदृश्य सेतु है। पुल एक ऐसी कहानी है जो आज के समय की है और जिसकी आज जैसी आवश्यकता पहले कभी नहीं थी। एक ही बस्ती में रहने वाला एक हिन्दू ब्राम्हण परिवार और दूसरा एक मुसलमान परिवार। दोनों परिवारों के बीच बातचीत का रिश्ता है, सुख-दुख में काम आने का भी रिश्ता है, लेकिन धर्म की एक दूरी दोनों के बीच कहीं बनी हुई है। सुगरा बी और सुबहान का बेटा इस खाई को पाटने के लिए पुल बन जाता है। पंडिताइन को उस मासूम बच्चे को देखकर ससुराल चली गई बेटी का बचपन याद आता है और पंडित जी भी महसूस करते हैं कि बच्चे तो भगवान का रूप हैं। इस बच्चे से दूरी बनाने के बाद उन्हें अहसास होता है कि वे जिंदगी की एक मिठास से मरहूम हो गए थे।

(अक्षर पर्व जून 2018 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2018/06/blog-post_21.html

पावन प्रसंग

समस्याए जीवन निर्वाह के कारण नही, बल्कि अति निर्वाह के कारण पैदा हो रही

इस लोक में जो तृष्णारहित है, उसके लिए कुछ भी कठिन नहीं है। कठिनाइयां तो उसके सामने आ रही हैं, जिसकी तृष्णा बढ़ी हुई है, जिसकी आवश्यकता असीमित हैं। जिसे और-और की भूख बढ़ रही है, वहीं दु:खी है। इस आपाधापी के युग में बाहरी और आन्तरिक संघर्ष करते हुए अरबों संख्या में लोग जीवन जी रहे हैं। लेकिन सोचने-जानने का विषय यह है कि इन लोगों में दुखी कितने हैं? और जो लोग दु:खी हैं उनके दु:ख का कारण क्या है।

यह वह देश है जहां के लोग आशा और विश्वास के सहारे अपनी सारी उम्र निकाल देते हैं, जो आज दु:खी है, पीड़ित हैं उन्हें कल के सूरज पर विश्वास है, उनकी आशा आने वाले दिन पर टिकी है कि कल से हमारे अच्छे दिन आ जायेंगे। ये दु:ख, ये पीड़ाएं सिर्फ आज की ही हैं। कल की भोर हमारे लिए सुख-सपनों का सन्देश लेकर आयेगी। भगवान ने जिसको चोंच दी है, उसके लिए कम-ज्यादा चुग्गे की व्यवस्था पहले से ही हो जाती है। बालक के जन्म लेने से पूर्व माँ के स्तनों में दूध आ जाता है, यह सब कुदरत की लीला है। यह धरती माता बहुत बड़ी है, इसका ह्रदय विशाल है। जितने लोग अभी इस धरती पर हैं, उससे दो क्या चार गुना भी हो जायें तब भी धरती माता सभी का निर्वाह करेगी क्योंकि वह अभी भी अपने बेटे-बेटियों को पालने में सक्षम है।

जिन्दा रहने के लिए मनुष्य को जरूरत कितनी है? बस, खाने के लिए दो रोटी पहनने के लिए दो जोडी कपड़ा और रहने के लिए साधारण सा मकान चाहिए। मनुष्य में अपना निर्वाह आराम से कर सकता है। रोटी, कपड़ा और मकान ये तीनों जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ है। जीवन निर्वाह के लिए ये तीनों जिसे सहज रूप से मानव मुखी कहलाता है। आज मानव-मन की आकांक्षा केवल निर्वाह तक ही सीमित नहीं रही है, वह और भी कुछ प्राप्त करने की इच्छा रखता है। उसकी तृष्णा ने उसके मन-मस्तिष्क को दवा दिया है। उसकी कामनाएं आकाश को झपटने हेतु लालायित हो रही हैं। यह स्थिति निर्वाह की न होकर अति निर्वाह की हो गई है। अति शब्द अपने आप में कष्टों की ओर ले जाने वाला माना गया है। महापुरुषों मे इसी कारण कहा है कि अति सर्वत्र वर्जयेत।अर्थात अति का भाव सभी जगह वर्जित है।

जैन दर्शन में आचार पर बड़ा बल दिया है। आचार-विचार की महत्ता से कौन इन्कार कर सकता है। लेकिन आप 'अति' का प्रभाव देखें। अति और आचार की संधि से आचार जैसा जीवन-प्राण शब्द भी अत्याचार बन जाता है। यह है अति का प्रभाव। आचार को सभी पसन्द करते हैं पर अत्याचार अति-आचार तो सर्वया त्याज्य माना जाने वाला दूषण ही है।

जीवन में अति का प्रवेश होते ही दु:खों का आगमन शुरू हो जाता है। अत: अति को रोको, वरना दु:खों को अनचाहा आमन्त्रण मिल जायेगा। वे बिना बुलाये आपके मन के मेहमान बन जायेंगे। जब तक दो रोटी की बात है तब तक आप आनन्द में हैं।

कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

भारत में दवाइयां इतनी महंगी क्यों?

अक्सर भारत में दवाइयों की ऊंची कीमतों को लेकर शिकायतें सुनने को मिलती हैं। लेकिन देश में अधिकांश दवाइयों की उत्पादन लागत कम है, इसके बावजूद मरीज़ों को दवाइयां महंगे दामों पर क्यों मिलती हैं? पहले भाग में, हमने इसके एक प्रमुख कारण- भारत सरकार द्वारा दवा कीमतों के नियमन की लगभग अनुपस्थिति - पर बात की थी। इस भाग में, हम भारत सरकार द्वारा ब्रांड नामों, बेतुके नियत खुराक मिश्रणों (एफडीसी), 'मी टू' औषधियों को दी जाने वाली अनुमति पर बात करेंगे।

भाग 2: ब्रांडेड दवाइयां, बेतुके नियत खुराक मिश्रण, 'मी-टू दवाइयां', और पेटेंट का सदाबहारीकरण। दोषपूर्ण औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश-2023 से इतर भी कई कारण हैं। ब्रांड, ब्रांडेड जेनेरिक और उनकी गुणवत्ता जब किसी नई औषधि का आविष्कार होता है तो विश्व स्वास्थ्य संगठन से सम्बद्ध एक अंतरराष्ट्रीय समिति उसे एक 'जेनेरिक नाम' देती है (जेनेरिक नाम मतलब इंटरनेशनल नॉन-प्रोपायटरी नाम आईएनएन या अंतरराष्ट्रीय गैर-मालिकाना नाम)। जेनेरिक नाम का उपयोग सारे वैज्ञानिक जर्नल्स, किताबों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में किया जाता है। अलबत्ता, जो कंपनी उस औषधि का आविष्कार करती है उसे अधिकार होता है कि वह उसे एक मालिकाना नाम दे दे। आम तौर पर यह विपणन के मकसद से होता है। इस मालिकाना ब्रांड नाम को प्रासंगिक राष्ट्रीय व वैश्विक कानूनों के तहत पंजीकृत किया जाता है, हालांकि पंजीकरण ऐच्छिक है। कंपनी को उस ब्रांड नाम पर 20 सालों तक एकधिकार प्राप्त होता है, जो आविष्कारक को मिले पेटेंट की वैधता की अवधि है।

उदाहरण के लिए, बुखार, सिरदर्द और बदन दर्द से तात्कालिक अस्थायी राहत के लिए एक औषधि है एन-एसिटाइल-पैरा-अमीनोफिनॉल (एपीएपी), जिसे जेनेरिक नाम (आईएनएन) पैरासिटामॉल दिया गया है। यूएस की दवा कंपनी मैकनाइल ने इसे 1955 में टायलेनॉल के ब्रांड नाम से पेटेंट किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार, इस पेटेंट अवधि में कोई अन्य कंपनी पैरासिटामॉल का उत्पादन मूल निर्माता की अनुमति और रॉयल्टी भुगतान के बगैर नहीं कर सकती। 20 साल की अवधि के बाद कोई भी निर्माता अपने देश के सम्बंधित अधिकारी से उत्पादन का लायसेंस प्राप्त करके उस दवा को जेनेरिक नाम पैरासिटामॉल या अपनी पसंद के किसी ब्रांड नाम से बेच सकता है। जिस औषधि की पेटेंट अवधि पूरी हो चुकी है और उसे 'जेनेरिक' के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है, उसे बदकिस्मती से, जेनेरिक नाम से नहीं बल्कि अलग-अलग कंपनियों द्वारा अलग-अलग ब्रांड नामों से बेचा जाता है। इसका परिणाम विभिन्न 'ब्रांडेड जेनेरिक्स' के रूप में सामने आता है। उदाहरण के लिए, भारत में पैरासिटामॉल, जो कई वर्षों से पेटेंट-मुक्त है, को क्रोसिन, कैल्पॉल, मेटासिन, डोलो तथा कई अन्य 'ब्रांडेड जेनेरिक' नामों से बेचा जाता है। इस तरह के ब्रांडिंग से जेनेरिक नाम पीछे रह जाता है और सामने आते हैं एक ही जेनेरिक औषधि के दर्जनों ब्रांड्स। इन ब्रांड्स की कीमत जेनेरिक औषधि से काफी अधिक रखी जाती है क्योंकि उपभोक्ता औषधि के मूल, जेनेरिक नाम से अनभिज्ञ रहते हैं क्योंकि ब्रांडेड पैकेज पर जेनेरिक नाम छोटे अक्षरों में छापा जाता है। उपभोक्ता तो अति-विज्ञापित ब्रांडेड उत्पाद के लिए अतिरिक्त कीमत चुकाते रहते हैं। इस तरह की ब्रांडिंग डॉक्टरों के लिए भी बोझ बन जाती है क्योंकि उन्हें विभिन्न जेनेरिक औषधियों के ब्रांड नाम याद रखने होते हैं जबकि उनका पूरा प्रशिक्षण जेनेरिक नामों के आधार पर होता है और चिकित्सा साहित्य में जेनेरिक नामों का ही इस्तेमाल होता है।

डॉ. अनंत फड़के

खेल जगत

खेलो इंडिया पैरा गेम्स हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं: हरविंदर

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 के गुरुवार को शुरु होने वाले दूसरे संस्करण मे पैरालिंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह का मानना है यह प्रतिस्पर्धा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक प्रमुख मंच है। हरविंदर ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के फॉर्मेट और चयन प्रक्रिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पूरे भारत में सभी पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को बढ़ावा देता है। तीरंदाज हरविंदर ने साई मीडिया से कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 16 एथलीटों का चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए किया जाता है। यह सभी एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए प्रेरित करता है। यदि कोई एथलीट पदक जीतने में असमर्थ होता है, तो वह केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा के लिए पात्र होने के लिए शीर्ष 16 में स्थान पाने की पूरी कोशिश करता है।

आईपीएल 2025 में पंत, अय्यर, गिल और राहुल पर रहेंगी नजरें

■ आईपीएल 2025 की 22 मार्च से होगी शुरुआत

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के हर सीजन की तरह, इस बार भी ऐसे क्रिकेटर हैं जो सभी की नजरों में छाए रहेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट ने एक ऐसा मंच होने की प्रतिष्ठा बनाई है, जहां किसी खिलाड़ी का अंतरराष्ट्रीय करियर उड़ान भरता है, साथ ही लोगों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय टीमों में वापसी करने का आधार भी मिलता है। पिछले साल जेद्दा में आयोजित आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी ने 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए चीजों को और भी दिलचस्प बना दिया है। आईपीएल 2025 में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम के प्रमुख खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं।

केएल राहुल - दिल्ली कैपिटल्स: भारत को 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में अहम भूमिका निभाने के बाद राहुल से आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। हालांकि वनडे और टेस्ट सेट-अप में उनकी जगह पर कोई संदेह नहीं है, लेकिन राहुल का तत्काल ध्यान भारत की टी20 टीम में अपनी जगह वापस पाने पर होगा, खासकर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर। आईपीएल 2018 के राहुल एक शानदार स्ट्रोक-प्लेयर थे, जिन्होंने किसी भी गेंदबाज के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को चौंका दिया था। पिछले कुछ सालों में राहुल ने खूब रन बनाए हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट बड़ी बहस का विषय रहा है। लेकिन एलएसजी से डीसी में बदलाव और नेतृत्व की कमी का मतलब है कि राहुल के पास टी20 बल्लेबाज के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने और सबसे छोटे प्रारूप में राष्ट्रीय टीम में वापस आने का अवसर है।

शुभमन गिल - गुजरात टाइटन्स: जब गिल आईपीएल 2023 में 890 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, तो ऐसा लग रहा था कि उन्होंने भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। लेकिन आईपीएल 2024 में गिल रन बनाने के मामले में उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, जो रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ भारत के लिए उनके अंतिम टी20 विश्व कप जीतने वाले अभियान के साथ मेल खाती हैं। विराट और रोहित के इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद भी गिल अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल उनसे आगे हैं। गिल को भारत की टी20 योजनाओं में वापस आने के लिए आईपीएल 2025 के धमाकेदार सीजन की जरूरत है और यह भी दिखाना होगा कि उनके पास राष्ट्रीय टीम के भविष्य के लीडर के रूप में देखे जाने की योग्यता है।

अजिंक्य रहाणे - कोलकाता नाइट राइडर्स: जब पिछले साल की मेगा नीलामी में केकेआर ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीदा था, तो कई लोगों को लगा था कि श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स द्वारा शामिल किए जाने के बाद उन्हें नेतृत्व की भूमिका सौंपी जाएगी। लेकिन गत विजेता केकेआर ने आईपीएल 2025 के लिए अजिंक्य रहाणे को अपना कप्तान बनाया। मैदान पर और मैदान के बाहर केकेआर टीम का प्रबंधन करने के अलावा, रहाणे की बल्लेबाजी भी देखने लायक होगी। पिछले साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में, रहाणे नौ मैचों में 469 रन बनाकर प्रतियोगिता के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था क्योंकि मुंबई ने खिताब जीता था। प्रशंसक और केकेआर प्रबंधन उम्मीद करेंगे कि रहाणे टी20 में अच्छा प्रदर्शन जारी रखें।

ऋषभ पंत - लखनऊ सुपर जायंट्स: जब पंत को आईपीएल 2025 के रिटेंशन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने रिटेन नहीं किया था, तो सभी को यकीन था कि वह मेगा नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ राशि में बिकेंगे, खास तौर पर खेल में सफल वापसी के बाद, उनके बल्लेबाजी कौशल और विकेटकीपिंग कौशल को देखते हुए। इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं थी जब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने उन्हें रिकॉर्ड तोड़ 27 करोड़ रुपये में खरीदा। प्राइज टैग के अलावा, आईपीएल 2025 में पंत के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं। टी20 विश्व कप जीत और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के बाद, पंत भारत के लिए टी20 में शामिल नहीं हुए हैं। इसके अलावा, उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे या चैंपियंस ट्रॉफी जीत में खेलने का मौका नहीं मिला। भारत की टी20 टीम में प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक है, पंत को यह दिखाने के लिए वास्तव में कदम बढ़ाना होगा कि वह अभी भी टी20 में एक ताकत हैं।

पंत को हमारा शत-प्रतिशत समर्थन : पूरन

लखनऊ, 18 मार्च (एजेंसियां)। निकोलस पूरन ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के नए कप्तान ऋषभ पंत का समर्थन किया है और कहा है कि 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में खिताब जीतने के लिए फ्रेंचाइजी के पास संतुलित टीम है। पिछले साल जेद्दा में हुई नीलामी में लखनऊ स्थित फ्रेंचाइजी द्वारा रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद जनवरी में पंत को एलएसजी का कप्तान बनाया गया था। पूरन ने आईएएनएस से कहा

कि हमारे पास अच्छा मौका है, हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों वाली एक बहुत ही संतुलित टीम है। हम अनुभवी खिलाड़ियों के साथ नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हैं। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज आईपीएल 2025 के लिए फ्रेंचाइज द्वारा रिटेन किए जाने वाले पांच खिलाड़ियों में शामिल थे। पंत की एलएसजी कप्तान के रूप में नियुक्ति पर, पूरन ने कहा कि हां, फिर से, एक बेहतर, ताजा हवा है। वह अपने अनुभव, अपने कौशल और प्रतिभा के साथ आता है, और हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह उसे हमारा 100 फीसदी समर्थन प्राप्त है। शब्दों से ज्यादा काम बोलते हैं, तो देखते हैं कि यह कैसा प्रदर्शन करता है। उन्होंने टी20 प्रारूप में निडर प्रदर्शन के लिए युवाओं की भी सराहना की।

खिलाड़ियों के साथ अधिक संवाद करना बेहतर होगा : पंत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 अभियान से पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत ने टूर्नामेंट में कप्तान होने के सबसे महत्वपूर्ण पहलू के बारे में साझा किया और कहा कि वह सक्रिय रहना चाहते हैं, जिसे वह पिछले कुछ वर्षों में सीख रहे हैं। पंत, जो पिछले साल मेगा नीलामी में एलएसजी द्वारा 27 करोड़ रुपये में खरीदे जाने पर आईपीएल के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे, उनका लक्ष्य एलएसजी को अपना पहला आईपीएल खिताब दिलाना होगा।

पंत ने यह भी कहा कि कई वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ संवाद करने के लिए एक उचित चैनल बनाना आईपीएल में कप्तानी का चुनौतीपूर्ण पहलू है। पंत ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि मैं सक्रिय रहना चाहता हूं, और यह कुछ ऐसा है जो मैंने पिछले दो सालों में सीखना शुरू किया है। प्रबंधन और खिलाड़ियों के साथ जितना अधिक संवाद होगा, बंधन उतना ही बेहतर होता जाएगा। एक ऐसा चैनल होना चाहिए जो संदेश भेज सके ताकि पूरा समूह एक ही विचार प्रक्रिया को प्राप्त कर सके और उस पर काम कर सके, और यह आईपीएल में कप्तानी का एक चुनौतीपूर्ण पहलू है क्योंकि बहुत सारे वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं और आप उनसे कैसे संवाद करते हैं? उन्होंने कहा कि इसलिए हर कोई उसी दिशा में काम करता है, जिस दिशा में आप अपनी टीम को रखना चाहते हैं।

रायपुर में युवा क्रिकेटरों को प्रशिक्षण देंगे गौतम गंभीर

रायपुर, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पहली बार छत्तीसगढ़ में युवा क्रिकेटरों को प्रशिक्षण देंगे। अप्रैल और मई में एक विशेष क्रिकेट मास्टरक्लास और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जहां महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को गंभीर के मार्गदर्शन में उच्च स्तरीय कोचिंग मिलेगी। यह शिविर एकाना और अरण्या के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसमें मयंक सिद्दाना (दिल्ली रणजी टीम के पूर्व चयनकर्ता), सुहैल शर्मा (इंडिया कैपिटल्स के सहायक कोच) और अतुल रानाडे (भारत 'सी' के पूर्व फील्डिंग कोच) जैसे अनुभवी

■ यह पहली बार होगा जब भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच छत्तीसगढ़ में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेंगे

कोच भी शामिल होंगे।

यह पहली बार होगा जब भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच छत्तीसगढ़ में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करेंगे। राज्य में हाल ही में क्रिकेट के प्रति उत्साह में उछाल देखा गया है, खासकर रायपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग की सफलता के बाद। इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को छह विकेट से हराकर इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 का खिताब जीता। इस खिताबी मुकाबले में क्रिकेट के स्वर्णिम युग का जादू फिर से जिंदा हो गया। दिग्गज सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में इंडिया मास्टर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए ब्रायन लारा की वेस्टइंडीज मास्टर्स को हराकर एसवीएनएस इंटरनेशनल स्टेडियम में प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। गौतम गंभीर के शामिल होने से अब इस क्षेत्र के युवा क्रिकेटरों के पास खेल के महान खिलाड़ियों में से एक से सीखने का सुनहरा अवसर है।

मेरा लक्ष्य पंजाब किंग्स के लिए ट्रॉफी उठाना : श्रेयस

चंडीगढ़, 18 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी आईपीएल 2025 सीजन में अपना पहला खिताब जीतकर फ्रेंचाइजी के लिए इतिहास रचने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अय्यर को पिछले साल जेद्दा में मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था।

उन्हें इस साल की शुरुआत में फ्रेंचाइजी का कप्तान बनाया गया था। स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को खिताब दिलाया। अय्यर ने जियो हॉटस्टार के सुपरस्टार्स पर कहा कि जब से मुझे नीलामी में चुना गया, मेरी इच्छा स्पष्ट थी - पंजाब किंग्स

ने अभी तक आईपीएल नहीं जीता है, और मेरा लक्ष्य उनके लिए ट्रॉफी उठाना है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी, और मैं प्रशंसकों को खुश करना चाहता हूं और उन्हें जश्न मनाने का एक कारण देना चाहता हूं।

सीजन के अंत में पंजाबी जश्न कुछ खास होगा। अपनी पहली आईपीएल याद को याद करते हुए, अय्यर ने 2008 में मुंबई इंडियंस और रॉयल

■ अय्यर को पिछले साल जेद्दा में मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा था

चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच मैच के लिए वानखेड़े स्टेडियम में बॉल बॉय होने को याद किया, जब वह सिर्फ 14 साल के थे, उन्होंने कहा कि मैं अपने इलाके में गली क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और उस समय, मैं मुंबई की अंडर-14 टीम के लिए खेल रहा था। मुंबई की टीम के सभी बच्चों को बॉल बॉय के रूप में नियुक्त किया गया था, और मैं उनमें से एक होने के लिए भाग्यशाली था। वह आईपीएल का मेरा पहला नज़दीकी अनुभव था। मुझे याद है कि मैं शर्मीला और संकोची था, लेकिन जब मैंने अपने दोस्तों को खिलाड़ियों के पास जाते देखा, तो मुझे लगा कि मैं अकेला हूं और मैंने भी कोशिश करने का फैसला किया। रॉस टेलर उस समय मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक थे, इसलिए मैं उनके पास गया और कहा कि सर, मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ। वह बहुत प्यारे थे और उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया। उस समय, बल्ला या दस्ताने मांगना आम बात थी, लेकिन मैं बहुत शर्मीला था, भले ही मैं वास्तव में मांगना चाहता था। अय्यर ने इरफान पठान से मुलाकात और उस समय युवराज सिंह की अगुवाई वाली करिश्माई पंजाब किंग्स टीम को देखकर दंग रह जाने को भी याद किया।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान 5 विकेट से हराया

डुनेडिन, 18 मार्च (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना दबदबा कायम रखते हुए यूनिवर्सिटी ओवल में खेले गए दूसरे मैच में 5 विकेट से आसान जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। बारिश के कारण 15 ओवर के मैच में बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद पाकिस्तान ने कप्तान सलमान अली आगा की 28 गेंदों पर 46 रन की पारी की बदौलत 135/9 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। शादाब खान (26) और शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 22) दौरे पर आई टीम के लिए अन्य महत्वपूर्ण रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मेजबान टीम के लिए बेन सियर्स, ईश सोढ़ी, जैकब डफी और जेम्स नीशम ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में, सलामी जोड़ी टिम सीफर्ट (45) और फिन एलन (38) ने पहले विकेट के लिए 66 रनों की तेज साझेदारी की।

पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी सम्मानित

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। इटली में हुए स्पेशल ओलंपिक विंटर खेल में भारत की तरफ से 30 खिलाड़ियों ने प्रतिनिधित्व किया था। इस टूर्नामेंट में भारत ने कुल 33 मेडल जीते थे। मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में सम्मानित किया गया।

स्पेशल ओलंपिक विंटर खेल

स्पेशल ओलंपिक भारत की चेयरमैन मल्लिका नड्डा ने कहा कि स्पेशल ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हम सब गौरव महसूस कर रहे हैं। स्पेशल ओलंपिक में भाग लेने वाले भारत के 30 खिलाड़ियों ने कुल 33 मेडल प्राप्त किया। आठ गोल्ड मेडल 18 सिल्वर मेडल 7 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सभी ने देश का नाम ऊंचा किया है। टूर्नामेंट में 102 देशों ने भाग लिया था, जिसमें भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है और हमें उम्मीद है कि आगे

■ स्पेशल ओलंपिक में भारत के खिलाड़ियों ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया है : मल्लिका नड्डा

आने वाले समय में भारत ऐसे खेलों में बढ़-कर कर भाग लेगा। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि खिलाड़ियों ने इटली के विंटर गेम में अच्छा प्रदर्शन किया है और हमारे देश के लिए मेडल लेकर आए हैं। सभी एथलीट्स हमारे देश के लिए आदर्श है। समाज में एक वर्ग ऐसा भी है जिसे देखने का नजरिया लोगों का अलग था, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत के जरिए अपने परिवार का मान-सम्मान बढ़ाया है और देश का नाम आगे बढ़ाया है। हमारे एथलीट्स को सरकार की तरफ से जो सहायता मिलेगी, उसे देंगे। खिलाड़ियों की मदद के पूरी तरह से भारत सरकार आगे है। बता दें कि कार्यक्रम में स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष डॉक्टर मल्लिका नड्डा, केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे और खेल मंत्रालय से जुड़े हुए अधिकारी मौजूद रहे।

उंगली की सर्जरी के बाद संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़े

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। पिछले महीने उंगली की सर्जरी करवाने के बाद संजू सैमसन सोमवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम से जुड़ गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो से मिली जानकारी के अनुसार सैमसन बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे थे और यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वह अभी विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन फिट नहीं होते हैं, तो ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का विकल्प हो सकते हैं। फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में भी जुरेल ने सैमसन की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग की थी।

उस मैच में बल्लेबाजी के दौरान जोफ्रा आर्चर की गेंद उनकी उंगली पर लगी थी। कंधे की चोट से पूरी तरह उबर चुके रियान पराग भी आरआर के लिए खेलने को तैयार हैं। इस चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 से बाहर हो गए थे, लेकिन रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में उन्होंने वापसी की थी। सौराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था और 26 ओवर की गेंदबाजी भी की थी।

गोल्फ : कपिल देव-ग्रांट थॉर्नटन टूर्नामेंट

23 अप्रैल से नए मिश्रित प्रारूप के साथ शुरू होगा

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। कपिल देव-ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण का तीसरा संस्करण 23 से 26 अप्रैल तक बेंगलुरु के प्रेस्टीज गोल्फशायर में शुरू होने वाला है, जिसमें एक नया मिश्रित प्रारूप पेश किया जाएगा जो भारतीय गोल्फ परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। यह आयोजन भारत का पहला पेशेवर गोल्फ टूर्नामेंट है जिसे प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) और महिला गोल्फ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूजीएआई) द्वारा सह-स्वीकृत किया गया है। इसमें भारत के शीर्ष पुरुष और महिला पेशेवर एक साथ 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल चैंपियनशिप को एक रोमांचक प्रो-एम घटक के साथ जोड़ता है, जो पेशेवरों और एमेच्योर

■ यह आयोजन भारत का पहला पेशेवर गोल्फ टूर्नामेंट है

■ 24 से 26 अप्रैल तक तीन दिवसीय, 54-होल चैम्पियनशिप होगी

को एक गतिशील और आकर्षक तरीके से एक साथ लाता है। 23 अप्रैल को अभ्यास दौर से शुरुआत होगी, उसके बाद 24 से 26 अप्रैल तक तीन दिवसीय, 54-होल चैम्पियनशिप होगी, जिसमें 60 पुरुष और 12 महिला पेशेवर समान पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस आयोजन में रोटेशनल प्रारूप में तीन प्रो-एम राउंड भी होंगे, जिसमें 48 पेशेवर सुबह में टी-ऑफ करेंगे, जबकि शेष 24 दोपहर के सत्र में 72 एमेच्योर के साथ जोड़ी बनाएंगे। प्रत्येक प्रो-एम टीम में एक पेशेवर और तीन एमेच्योर शामिल होंगे, जिसमें प्रो के स्ट्रोक प्ले और एमेच्योर के स्क्रैम्बल प्रारूप को मिलाकर स्कोर बनाए जाएंगे। प्रो-एम स्टैंडिंग में शीर्ष तीन पेशेवरों को पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिससे यह टूर्नामेंट उच्च-दांव प्रतिस्पर्धा और सौहार्द का एक रोमांचक मिश्रण बन जाएगा। पीजीटीआई के अध्यक्ष और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव ने कहा कि कपिल डे ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण के तीसरे संस्करण के साथ, हम इस साल के आयोजन को अब तक का सबसे अविस्मरणीय बनाते हुए, मानक को और भी ऊंचा उठाने के लिए तैयार हैं।

परिवार की मौजूदगी महत्वपूर्ण, लेकिन इससे टीम के फोकस पर असर नहीं पड़ना चाहिए : कपिल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने लंबे क्रिकेट दौरों पर खिलाड़ियों के साथ उनके परिवारों के जाने पर चल रही बहस पर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि परिवार की मौजूदगी महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे टीम के फोकस पर असर नहीं पड़ना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की 1-3 की हार के बाद परिवार के साथ यात्रा करने पर बहस तेज हो गई, जिसके बाद बीसीसीआई ने 45 दिनों से अधिक के दौरे पर परिवार के साथ रहने की सीमा तय करने वाला नियम लागू किया। नए नियम के अनुसार, 45 दिनों से अधिक चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट के लिए, परिवार के सदस्य 14 दिनों तक खिलाड़ियों के साथ रह सकते हैं, जबकि छोटे दौरों के लिए यह सीमा घटाकर सिर्फ सात दिन कर दी गई है।

ओडिशा में 57वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैम्पियनशिप 31 मार्च से

पुरी (ओडिशा), 18 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सबसे प्रतिष्ठित खो-खो टूर्नामेंटों में से एक, 57वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप 31 मार्च से 5 अप्रैल तक पुरी के जिला खेल परिसर में आयोजित की जाएगी। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में कुल 74 टीमें भाग लेंगी, जिनमें 30 राज्यों की टीमें और एयरपोर्ट अथॉरिटी, रेलवे, बीएसएफ, महाराष्ट्र पुलिस और सीआईएसएफ जैसी प्रमुख संस्थागत टीमें शामिल हैं।

चैंपियनशिप के बारे में बात करते हुए, ओडिशा खो खो एसोसिएशन के महासचिव प्रद्युम्न मिश्रा ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि हम पुरी में 57वीं सीनियर नेशनल खो खो चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए उत्साहित हैं, जो एक ऐसा शहर है जहां खेल संस्कृति बढ़ रही है। यह आयोजन शीर्ष स्तर की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करेगा और भारत में खो खो की लोकप्रियता को और बढ़ाएगा। खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो खो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता दिलाने के लिए फेडरेशन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा दृष्टिकोण राष्ट्रीय सीमाओं से परे है।

सार संक्षेप

जोकोविच, अल्काराज मियामी ड्रॉ के एक ही हाफ में

मियामी। छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच और 2022 के खिताब विजेता कार्लोस अल्काराज 19 मार्च से शुरू हो रहे मियामी ओपन के मुख्य ड्रॉ के एक ही हाफ में उतरे हैं। जोकोविच 2019 के बाद पहली बार मियामी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी कर रहे हैं। 2011 से 2016 तक, सर्बियाई स्टार ने छह संस्करणों में से पांच जीते। वह मियामी में अपनी वापसी की शुरुआत अपने हमवतन हमाद मेदजेडोविच, 2023 एटीपी फाइनल्स चैंपियन या ऑस्ट्रेलियाई रिंकी हिजिकाटा के खिलाफ करेंगे। रिकॉर्ड 40 बार मास्टर्स 1000 जीतने वाले इस खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में दानिल मेदवेदेव के रूप में एक और पूर्व नंबर 1 से सामना हो सकता है। 2023 मियामी चैंपियन मेदवेदेव अपने शुरुआती मैच में जैम मुनार या आर्थर रिंडरकनेच से भिड़ेंगे। जोकोविच लगातार तीन मैच हारने के बाद वापसी करने की कोशिश करेंगे, जिसमें इंडियन वेल्स में बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के खिलाफ शुरुआती हार भी शामिल है।

चोटिल मेसी विश्वकप क्वालीफायर से हुए बाहर

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण आगामी फीफा विश्वकप क्वालीफायर मैचों से बाहर हो गए हैं। क्वालीफायर के लिए घोषित 25 सदस्यीय टीम में मेसी को शामिल नहीं किया गया है। 37 वर्षीय मेसी अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी द्वारा जीते गये मुकाबले में रविवार को चोटिल हो गये थे। इंटर मियामी ने मेसी की मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि की है। क्लब ने कहा है कि मेसी ने अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मैच में दर्द की शिकायत के बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया। जांच में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई है। चिकित्सक दल ने उन्हें फिलहाल आराम करने की सलाह दी गई है। पिछले हफ्ते जमैका की टीम कैवेलियर के खिलाफ कॉनकाकफ चैंपियंस कप की जीत में बेंच से उतरने और स्कोर करने से पहले मेसी को मियामी के तीन मैचों के लिए आराम दिया गया था।

गढ़वाल ने डीएफसी को हराया, खिताब की तरफ कदम बढ़ाया

नई दिल्ली। गत विजेता गढ़वाल हीरोज ने दिल्ली एफसी को 2-0 से हराकर न सिर्फ पहले लेग की हार का हिसाब चुकता किया, बल्कि लगातार दूसरा डीपीएल खिताब जीतने की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ाया। आज यहां नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए रोमांचक और उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में गढ़वाल हीरोज ने प्लेयर ऑफ द मैच भारत मेहर और मनभाकुपार मलंगीयांग के गोलों से डीएफसी की उम्मीद पर पानी फेर दिया द्य दिन के पहले मैच में सुदेवा एफसी ने नेशनल यूनाइटेड स्पोर्ट्स क्लब को 5-0 से परास्त कर खिताबी जीत की उम्मीद बनाए रखी है द्य विजेता के लिए चुनगखाम और लाइशरम राहुल मेतई ने दो-दो गोल किए।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फिनसर्व	3.59 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.41 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	2.36 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.91 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	1.63 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	0.98 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.76 प्रतिशत
एसबीआई	0.69 प्रतिशत
रिलायंस	0.56 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.50 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	89833
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	87. 33	87.40
पौड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9250-9350
अरहर दाल	8500-8600

देश में 55 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले

नई दिल्ली। देश में 7 मार्च 2025 तक 55.05 करोड़ जनधन खाते खुले हैं। इसमें से 36.63 करोड़ या 66.57 प्रतिशत ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में खुले हैं। यह जानकारी सरकार द्वारा मंगलवार को दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत 7 मार्च तक कुल नामांकन की संख्या बढ़कर 50.30 करोड़ हो गई है। अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना और अन्य वित्तीय समावेशन योजनाओं में भी मजबूत प्रगति हुई है।

9 करोड़ से अधिक लोगों ने 28 फरवरी तक जमा की आईटीआर : आयकर विभाग

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अब तक 9 करोड़ से अधिक लोग इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) जमा कर चुके हैं। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में जमा किए गए आईटीआर में चार लाख से अधिक करदाताओं ने एक करोड़ रुपये से अधिक आय घोषित की है। आंकड़ों से मुताबिक, लगभग 3.89 लाख करदाताओं ने 1 करोड़ रुपये से 5 करोड़ रुपए के बीच आय घोषित की, जबकि लगभग 36,274 व्यक्तियों ने 5 करोड़ रुपये से 10 करोड़ रुपये के बीच आय की रिपोर्ट की है। इसके अलावा, 43,004 लोगों ने 10 करोड़ रुपये से अधिक की आय का खुलासा किया। इससे उच्च आय वाले करदाताओं (1 करोड़ रुपये से अधिक आय वाले) की कुल संख्या 4,68,658 हो गई। इन आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 मार्च है। अब तक 9.11 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अपना आईटीआर दाखिल किया है। भारत में पंजीकृत करदाताओं की कुल संख्या 13.96 करोड़ है। इसका मतलब है कि लगभग 65 प्रतिशत ने अपना रिटर्न दाखिल कर दिया है। इसके अलावा, लगभग 8.56 करोड़ कर रिटर्न

भारत में पंजीकृत करदाताओं की कुल संख्या 13.96 करोड़ै

ई-वेरिफाइड किए जा चुके हैं और आयकर विभाग द्वारा 3.92 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 1.38 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए। उत्तर प्रदेश में 90.68 लाख रिटर्न जमा किए गए, जबकि गुजरात में 87.90 लाख रिटर्न दाखिल किए गए। दिल्ली में 44.45 लाख लोगों ने आईटीआर जमा किए हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश और पंजाब में क्रमशः 30.76 लाख और 43.79 लाख रिटर्न दाखिल किए गए। इससे पहले, विभाग ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2024-25) की 1 अप्रैल, 2024 - 16 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले वित्त वर्ष (वित्त

सीबीडीटी ने आयकर विधेयक 2025 पर हितधारकों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर विधेयक 2025 के प्रावधानों पर आयकर नियमों और संबंधित प्रपत्रों पर हितधारकों से सुझाव मांगे सीबीडीटी ने आज यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक उपयोगिता शुरू की गई है। इससे जुड़ा लिंक ई-फाइलिंग पोर्टल पर सभी हितधारकों के लिए लाइव और सुलभ है। हितधारक अपना नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करके अपने इनपुट पेश कर सकते हैं, इसके बाद ओटीपी-आधारित सत्यापन प्रक्रिया होगी। सभी सुझावों में आयकर नियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधान को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट किया जाना चाहिए, जिससे उपर्युक्त चार श्रेणियों के तहत सिफारिश संबंधित है। आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के साथ, इनपुट एकत्र करने और संबंधित आयकर नियमों और प्रपत्रों के सरलीकरण पर काम करने का प्रयास चल रहा है।

एलआईसी 31 मार्च तक एक हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी हासिल करने की तैयारी में : सीईओ मोहंती

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 25) के अंत तक एक स्टैंडअलोन हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में हिस्सेदारी हासिल करने की योजना बना रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ मोहंती ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने उस कंपनी का नाम नहीं बताया जिसमें एलआईसी निवेश करना चाहती है। मोहंती ने कहा कि चर्चा अंतिम चरण में है। मुंबई में ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ एक्चुअरीज में अपने भाषण में मोहंती ने कह कि हमारे पास योजना है। चर्चा अंतिम चरण में है। एलआईसी के लिए हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में प्रवेश करना एक स्वाभाविक विकल्प है। उन्होंने कहा कि विनियामक अनुमोदन में समय लगता है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के भीतर, 31 मार्च से पहले निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एलआईसी की ओर से कंपनी में अधिकतम हिस्सेदारी हासिल नहीं की जाएगी। एलआईसी ने पहले हेल्थ इंश्योरेंस बिजनेस में अपनी रुचि का संकेत दिया था और वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में कहा था कि वह एक स्टैंडअलोन हेल्थ इंश्योरेंस फर्म में निवेश करना चाहती है। वर्तमान में, भारत में ऐसी सात कंपनियां मौजूद हैं, जिनमें स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, केयर

विनियामक अनुमोदन में समय लगता है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष के भीतर, 31 मार्च से पहले निर्णय लिया जाएगा : सिद्धार्थ मोहंती

हेल्थ इंश्योरेंस, आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस, मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, नारायण हेल्थ इंश्योरेंस और गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस शामिल है। इसके अलावा, एलआईसी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अतिरिक्त दीर्घकालिक बॉन्ड जारी करने का भी अनुरोध किया है। बीमा दिग्गज ने पहले 40 साल के बॉन्ड मांगे थे, जिसे आरबीआई ने मंजूरी दे दी। अब, एलआईसी 50 साल और 100 साल के बॉन्ड के लिए चर्चा कर रही है। मोहंती ने कहा कि हम दीर्घकालिक निवेशक हैं। अनुबंध के अनुसार भुगतान करने के लिए हमारे पास अनुबंध संबंधी दायित्व हैं। इसलिए, मुझे निवेश और परिसंपत्ति-देयता प्रबंधन को ठीक से प्रबंधित करना होगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पूँजी जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने 6 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। कंपनी द्वारा पेश ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार 10 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक द्वारा 10.18

■ एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक की सहायक कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की स्थापना 1997 में हुई थी

करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक की सहायक कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की स्थापना 1997 में हुई थी और डीआरएचपी में उल्लिखित रेडसीर रिपोर्ट के अनुसार, इसने ऑफ़लाइन चैनल में मूल्य बाजार हिस्सेदारी के आधार पर लगातार 13 वर्षों (2011-2023) तक भारत के घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में बाजार नेता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, वोल्टास लिमिटेड, व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड और ब्लू स्टार लिमिटेड जैसे सूचीबद्ध उद्योग साथियों की तुलना में, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने वित्त वर्ष 2024 में परिचालन और प्रति शेयर आय (ईपीएस) से उच्चतम राजस्व प्राप्त किया। वित्त वर्ष 2024 के लिए, कंपनी ने 21,352 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया।

आरबीआई और बैंक ऑफ मॉरीशस में करार, स्थानीय मुद्राओं को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंक ऑफ मॉरीशस (बीओएम) ने द्विपक्षीय लेन-देन में भारतीय रुपया और मॉरीशस रुपया के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा और बीओएम के गवर्नर डॉ. रामकृष्ण सिथानन जीसीएसके ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन पोर्ट लुइस, मॉरीशस में संपन्न हुआ, जहां दस्तावेजों का आदान-प्रदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में किया गया। इस पहल का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देना है। इसके तहत, दोनों देशों में चालू खाता लेनदेन और पूंजी खाता लेनदेन को शामिल किया गया है, जिन पर दोनों पक्षों की सहमति बनी है। यह व्यवस्था निर्यातकों और आयातकों को अपनी घरेलू मुद्राओं में

■ इस पहल का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देना है।

चालान जारी करने और भुगतान करने की सुविधा देगी, जिससे भारतीय रुपया और मॉरीशस रुपया के लिए एक प्रभावी बाजार विकसित हो सकेगा। स्थानीय मुद्राओं के उपयोग से लेनदेन लागत में कमी और निपटान प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। यह समझौता आरबीआई और बीओएम के बीच आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सार संक्षेप

किआ की कारें होंगी 3 प्रतिशत तक महंगी

नई दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने एक अप्रैल 2025 से अपने सभी वाहनों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह वृद्धि मुख्य रूप से कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित लागतों में वृद्धि के कारण की गई है। मूल्य समायोजन पर टिप्पणी करते हुए, किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (सेल्स एंड मार्केटिंग) हरदीप सिंह बरार ने कहा कि अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य और गुणवत्ता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध एक ब्रांड के रूप में, हमने हमेशा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सर्वश्रेष्ठ वाहन प्रदान करने का प्रयास किया है। हालांकि, वस्तुओं और इनपुट सामग्रियों की बढ़ती लागत के कारण, हम 1 अप्रैल 2025 से सभी किआ मॉडलों में 3 प्रतिशत तक की कीमत वृद्धि करेंगे। जबकि हम समझते हैं कि मूल्य समायोजन चुनौतीपूर्ण हो सकता है, यह निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि हम उच्च गुणवत्ता वाले, तकनीकी रूप से उन्नत वाहन प्रदान करना जारी रख सकें, जिनकी हमारे ग्राहक किआ से अपेक्षा करते हैं। हमारे ग्राहकों पर प्रभाव को कम करने के लिए, किआ बढ़ी हुई लागतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अवशोषित कर रही है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.52 प्रतिशत चढ़कर 67.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 71.46 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

शक्कर की मांग घटी, खाद्य तेलों में नरमी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में कांउटर सेल कमजोर होने से नरमी रही। खाद्य तेलों के भाव बने रहे। सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा बिका। तिलहन में सोयाबीन में प्लांटों की लिवाली सुस्ती से मंदी रही। दलहनों में मांग से तेजी दर्ज की गई। चावल में लिवाली बनी रही। सियागंज किराना बाजार में शक्कर सुस्ती में मंदा रहा। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा बूरा, दिसावर के साथ बना रहा। खोपरा गोला में ग्राहकी रही। हल्दी में उठाव बताया गया। खाद्य तेलों में खरीदी से मजबूती दर्ज की गई।

स्पष्ट सरकारी नीति से भारत में तेजी से बढ़ रहे स्पेस स्टार्टअप्स : शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को कहा कि स्पेस सेक्टर में घरेलू स्टार्टअप की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। लखनऊ के रहने वाले शुक्ला निजी मिशन के तहत आईएसएस पर ऑर्बिटिंग लैब की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बनेंगे। शुक्ला ने देश में अंतरिक्ष स्टार्टअप अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाली असाधारण प्रतिभा की प्रशंसा भी की। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के मेगा शो में भारत की स्पेस स्टार्टअप यात्रा की सराहना की थी। 39 वर्षीय शुक्ला को अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के मिशन 4 (एक्स-4) के लिए पायलट के रूप में चुना गया है। यह नासा और इसरो के बीच एक सहयोगी मिशन है। शुक्ला ने भारतीय अंतरिक्ष नीति-2023 की सराहना की और

■ शुक्ला को अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के मिशन 4 (एक्स-4) के लिए पायलट के रूप में चुना गया

कहा कि इससे देश में अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिली है। एक्सिओम स्पेस मई में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान का उपयोग करके मिशन को लॉन्च करेगा। शुक्ला ने टेक्सास के ह्यूस्टन स्थित एक्सिओम स्पेस के मुख्यालय से आईएएनएस से बातचीत में कहा कि भारत में स्टार्टअप जिस गति से बढ़ रहे हैं, वह अभूतपूर्व है।

सेंसेक्स 1,131 अंक उछलकर हुआ बंद

मुंबई, 18 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। बाजार में चौतरफा खरीदारी हुई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,131.31 अंक या 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,301.26 और निफ्टी 325.55 अंक या 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,834.30 पर था। बाजार में तेजी की वजह ऑटो और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी होना था। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 2.38 प्रतिशत और निफ्टी बैंक 1.99 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, रियल्टी, मेटल और एफएमसीजी समेत सभी इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी थी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,055.10 अंक या 2.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ

बाजार में तेजी की वजह ऑटो और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी होना था

49,516.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 406.30 अंक या 2.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 15,374.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में जोमैटो, आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एनटीपीसी और टीसीएस टॉप गेनर्स थे। बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप गेनर्स थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,825 शेयर हरे निशान में, 1,210 शेयर लाल निशान में और 124 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। आशिका स्टॉक ब्रोकिंग में तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक, सुंदर केवट ने कहा कि अमेरिका में रिटेल बिक्री के उम्मीद से कमजोर आने के कारण ब्याज दरों के कम होने की संभावना को बल मिला है। इसके कारण वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय बाजारों में भी तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय बाजारों की शुरुआत सकारात्मक हुई थी। सुबह करीब 9.27 बजे सेंसेक्स 448.91 अंक या 0.61 प्रतिशत बढ़कर 74,618.86 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 140.15 अंक या 0.62 प्रतिशत बढ़कर 22,648.90 पर था। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मार्च महीने में अब तक शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। उन्होंने सोमवार को 4,488.45 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 6,000.60 करोड़ रुपये का निवेश इक्विटी में किया।

पैसेंजर ईवी थ्री-व्हीलर 'ओमेगा सेकी एनआरजी' लॉन्च

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। शहरी गतिशीलता में क्रांति लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ओमेगा सेकी प्राइवेट लिमिटेड और क्लीन इलेक्ट्रिक ने आज पैसेंजर ईलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर ओमेगा सेकी एनआरजी लॉन्च किया जिसकी एक्स शोरूम कीमत 3.55 लाख रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एक बार चार्ज करने पर 300 किलोमीटर की अपनी प्रभावशाली क्लास लीडिंग रेंज के साथ यह ईवी थ्री व्हीलर भारत के परिवहन परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। पेटेंटेड कॉम्पैक्ट 15 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक द्वारा संचालित और 5 साल की बैटरी वारंटी द्वारा समर्थित, वाहन को व्यवसायों, बेड़े के मालिकों और यात्रियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जो पारंपरिक ईंधन से चलने वाले वाहनों के लिए पर्यावरण के अनुकूल, लागत प्रभावी विकल्प की तलाश कर रहे हैं। ओमेगा सेकी प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष उदय नारंग

कंपनी का लक्ष्य अगले वित्तीय वर्ष तक 5,000 ओमेगा सेकी एनआरजी इलेक्ट्रिक पैसेंजर थ्री-व्हीलर तैनात करना है, जिससे किफायती, पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी

ने कहा कि जैसे-जैसे भारत संधारणीय परिवहन की ओर अपना रुख तेज कर रहा है, लंबी दूरी की क्षमताओं वाले इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की मांग पहले कभी इतनी जरूरी नहीं रही। बेड़े के मालिकों, ड्राइवरों और छोटे व्यवसायों के लिए, एक बार चार्ज करने पर 300 किमी की रेंज वाले इलेक्ट्रिक वाहन को चलाने की क्षमता एक गेम-चेंजर है, जो डाउनटाइम को काफी कम करता है, परिचालन लागत को कम करता है और दैनिक आजीविका को बढ़ाता है। ओमेगा सेकी एनआरजी जैसे लंबी दूरी के इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों को अपनी सेवाओं का विस्तार करने, लाभप्रदता बढ़ाने और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में योगदान करने का अवसर प्रदान करते हैं। कंपनी का लक्ष्य अगले वित्तीय वर्ष तक 5,000 ओमेगा सेकी एनआरजी इलेक्ट्रिक पैसेंजर थ्री-व्हीलर तैनात करना है, जिससे किफायती, पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी जो मालिकों को सशक्त बनाएगी और देश को हरित गतिशीलता की ओर ले जाएगी।

स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया ने भारत में 5 लाख इंजन का किया उत्पादन

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो फोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने अपने पुणे स्थित अत्याधुनिक चाकन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 5,00,000 इंजनों का उत्पादन कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह सभी इंजन स्थानीय स्तर पर बनाए गए हैं। यह उपलब्धि न केवल समूह की निर्माण क्षमताओं को दर्शाती है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को भी मजबूती देती है। इस प्लांट में तैयार किए गए पावरट्रेन सॉल्युशन न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक बाजारों में भी सप्लाई हो रहे हैं। यह उपलब्धि भारत को फोक्सवैगन समूह के लिए एक प्रमुख निर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में और भी सशक्त बनाती है।

'कोल इंडिया' ने बीएसई, एनएसई से जुर्माना माफ करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, 18 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बीएसई और एनएसई से कंपनी पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया है। सीआईएल पर यह जुर्माना लगाया जा रहा है क्योंकि कंपनी ने अपने बोर्ड में एक महिला सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की नियुक्ति के लिए सेबी के मानदंड का पालन नहीं किया है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) प्रत्येक ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (सेबी एलओडीआर) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के लिए सीआईएल पर 9.7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया लिमिटेड की तरफ से इसको लेकर कहा गया कि सेबी विनियमों के संबंध में गैर-अनुपालन न तो कंपनी द्वारा किसी लापरवाही या चूक के कारण था और न ही सीआईएल के प्रबंधन के नियंत्रण में था। अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास भी किए गए थे। सीआईएल ने कहा है कि यह कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक 'सरकारी कंपनी' है। कोल इंडिया लिमिटेड के एसोसिएशन के लेखों के अनुसार, सभी बोर्ड

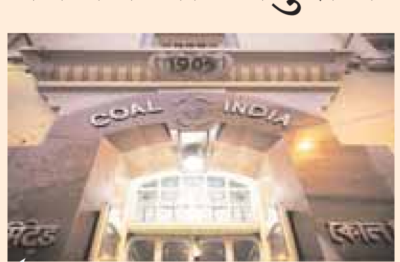

सेबी विनियमों के संबंध में गैर-अनुपालन न तो कंपनी द्वारा किसी लापरवाही या चूक के कारण था और न ही सीआईएल के प्रबंधन के नियंत्रण में था : कोल इंडिया लिमिटेड

सदस्यों की नियुक्ति अध्यक्ष द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। सीआईएल अपने बोर्ड में एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए कोयला मंत्रालय के साथ नियमित रूप से मामले का फॉलो अप ले रहा है। 18 मार्च को एक विनियामक फाइलिंग में, कोल इंडिया ने खुलासा किया कि उसे 17 मार्च, 2025 को एनएसई और बीएसई से सेबी एलओडीआर के विनियम 17(1), 18(1), 19(1 और 2), और 21(2) के उल्लंघन का हवाला देते हुए नोटिस मिले थे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

दीपक रामजीलाल उइके बने आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष

सारनी, देशबन्धु। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सांसद एवम पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, आदिवासी महिला मोर्चा अध्यक्ष संपतिया उइके (केबिनेट मंत्री), केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास की सहमति से और राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमजी डामोर एवम युवा प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्की भाऊ जाधव ने बैतूल जिले के युवा आदिवासी नेता दीपक रामजीलाल उईके को आदिवासी विकास परिषद मप्र के युवा प्रभाग का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पूरे बैतूल जिले में आदिवासी समाज में हर्ष व्याप्त है। दीपक रामजीलाल उइके राजनैतिक क्षेत्र समाज सेवा में लगातार सक्रिय रहते है। वे भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री के रूप संगठन कार्य भी कर रहे है। सामाजिक कार्यों में भी दीपक काफी सक्रिय रहते हैं और आदिवासी समाज के कार्यक्रमों में उनका हमेशा योगदान रहता है। उनका प्रदेश अध्यक्ष बनना बैतूल जिले के पूरे आदिवासी समाज के लिए गौरव का विषय है। श्री उइके ने बताया कि उनके माध्यम से जल्द ही संपूर्ण जिले एवं प्रदेश के आदिवासी एवं कोरकू समाज के वह लोग जो शासन की मुख्य धारा से जुड़े नहीं है उन्हें जुड़ने का हर संभव प्रयत्न किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में लो वोल्टेज बना परेशानी का कारण

सिंगल फेस की मोटर चलाने में ग्रामीणों को हो रही परेशानी

सारनी, देशबन्धु। प्रदेश सरकार किसानो की आय दुगुनी करने के लिए भले ही अखबरों और दस्तावेजों में जी तोड़ मेहनत कर रही है,लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की यह स्थिति है कि वर्तमान समय में सिंगल फेस की मोटर भी चल नहीं पा रही है। बताया जाता है कि ऐसी स्थिति पिछले एक माह से हो गई है लेकिन बिजली विभाग का जिम्मेदार अधिकारी किसानों की ओर देखने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से कई गांव में पेयजल की समस्या भीषण गर्मी शुरू होने से पहले ही शुरू हो गई है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का कहना है कि 90 से 130 ही वोल्टेज रहता है जिसकी वजह से सिंगल फेस की मोटर संचालित नहीं हो पा रही है। गर्मी का दौर अभी शुरू नहीं हुआ है और गर्मी शुरू होने से पहले ही ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग वोल्टेज की वजह से नल जल योजना का पानी जो प्रतिदिन दिया जाता था अब उसे तीन दिनों के अंतराल में कर दिया गया है। यदि गर्मी की स्थिति और बड़ी तो लो वोल्टेज की वजह से सप्ताह में 2 से 3 बार ही जल योजना का पानी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिल पाएगा यह स्थिति घोड़ाडोगरी के 55 से अधिक पंचायत में निर्मित होते दिखाई दे रही है। ग्रामीण क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या का निराकरण बिजली विभाग के उच्च अधिकारी कब करेंगे यह समझ के पड़े दिखाई दे रहा है। सलैया, सुखाढाना, मडकाढाना,जाजलपुर, छतरपुर, बिछुआ,उमरी शहीत दर्जनों गांव है जहां पर लो वोल्टेज की परेशानी मुंह बकर खड़ी है अनेकों बार बिजली विभाग को इसकी शिकायत देने के बाद भी लो वोल्टेज की समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है अब देखना है कि जनप्रतिनिधि और विभाग के आल्हा अधिकारी लो वोल्टेज की समस्या का निराकरण का क्या विकल्पीक व्यवस्था कर पाते हैं।

नगर पालिका ने रिहायशी क्षेत्रों से बंदर पकड़ने का अभियान शुरू किया

सारनी, देशबन्धु। नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा शहर में बंदर पकड़कने का अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। नगर पालिका की टीम ने सोमवार, मंगलवार को नगर के विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों से बंदरों को पकड़ने का अभियान शुरू किया। नगर में लाल मुंह के बंदरों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कलेक्टर बैतूल से मिले निर्देशानुसार नगर पालिका की टीम ने वन विभाग के साथ मिलकर इन्हें पकड़ने का व्यापक अभियान प्रारंभ किया। सोमवार, मंगलवार को नगर के विभिन्न रिहायशी, व्यावसायिक क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। वहीं जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर पालिका ने एक्सपर्ट से बंदर पकड़वाने के लिए ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर होते ही बन्दर पकड़ने के एक्सपर्ट उन्हें पकड़ने का अभियान तेजी से चलाएंगे। नगर पालिका ने आम लोगों से आग्रह किया है कि वे बंदरों को किसी भी तरह की खाद्य सामग्री ना देवें। साथ ही अपने घरों के आस-पास खाद्य सामग्री ना फेंके। घरों से निकलने वाला सूखा-गीला कचरा भी वार्ड में पहुंचने वाले नगर पालिका के कचरा वाहन में ही डालें। जंगलों की ओर से आने वाले बंदरों को घर से मिलने वाले खाद्य सामग्री बंद हो जाएगी तो बंदरों की संख्या में कमी आने की संभावना बनी हुई है।

कुनबी समाज का होली मिलन समारोह आज

बैतूल, देशबन्धु। जिला क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज संगठन बैतूल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के दिनेश मस्की, प्रवीण ठाकरे, नामदेव बारस्कर और रविशंकर पारखे ने बताया कि यह समारोह 19 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिवाजी सांस्कृतिक भवन, सदर बैतूल में आयोजित किया जाएगा।

डॉक्टरों की कमी और अव्यवस्थाओं से जूझ रहा आमला सिविल अस्पताल

संगठनों ने अस्पताल की बदहाली पर जताई नाराजगी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आमला, देशबन्धु। सिविल अस्पताल आमला में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और व्यवस्थाओं की बदहाली को लेकर मंगलवार को जनसेवा कल्याण समिति सहित शहर की कई संस्थाओं और संगठनों ने जनपद पंचायत कार्यालय आमला में एसडीएम आमला को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जनसेवा कल्याण समिति, प्रगतिशील व्यापारी संघ, श्री महावीर हनुमान गौशाला समिति, सूर्यवंशी ढोलेवार कुंबी समाज युवा संगठन, मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ एवं संघर्ष समिति, अजाक्स संगठन, सहयोग फाउंडेशन, अधिवक्ता संघ, रेलवे रिटायर्ड पेंशनर एसोसिएशन सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सिविल हॉस्पिटल में व्यवस्थाओं में सुधार और स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने की मांग को लेकर अपनी बात रखी। ज्ञापन में कहा गया कि कुछ वर्ष पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर आमला में सिविल हॉस्पिटल बनाया गया था, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी। लेकिन अस्पताल में आज भी डॉक्टरों के 14 पद रिक्त पड़े हैं और मात्र आधा दर्जन डॉक्टर ही सेवाएं दे रहे हैं। आवश्यक ऑपरेटर और स्टाफ की भी भारी कमी है। स्थिति यह है कि छोटी-छोटी बीमारियों में भी मरीजों को बैतूल रेफर कर दिया जाता है।

समितियों ने बताया कि सिविल हॉस्पिटल के नाम पर केवल एक बोर्ड लगा है, जबकि स्वास्थ्य सुविधाएं नाममात्र ही उपलब्ध हैं। सिटी स्कैन, एक्स-रे, एमआरआई जैसी जरूरी जांचों की व्यवस्था तक नहीं है। ज्ञापन में मांग की गई कि अस्पताल में बंद पड़ी मशीनों को शीघ्र चालू किया जाए और आवश्यक ऑपरेटर एवं डॉक्टर नियुक्त किए जाएं। महिला रोग विशेषज्ञ की वर्षों से चली आ रही मांग को भी तत्काल पूरा करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही एमडी मेडिसिन डॉक्टर मुकेश वागद्रे को बार-बार अटैचमेंट के नाम पर अन्यत्र भेजे जाने पर भी सवाल उठाए गए और इस पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि अस्पताल में साइकिल और वाहन स्टैंड का ठेका निरस्त किया जाए, क्योंकि यहां उपचार के लिए आने वाले गरीब मरीजों के परिजनों से जबरन शुल्क वसूला जाता है। मुलताई हॉस्पिटल में इस तरह के स्टैंड को मानवता के आधार पर पहले ही निरस्त किया जा चुका है, आमला में भी यही कदम उठाने की मांग की गई। जनसेवा कल्याण समिति और अन्य संगठनों ने एस डी एम से निवेदन किया की यदि एक माह के भीतर अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर शहर के प्रबुद्धजन और संस्थाओं के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

प्रेस क्लब ने भी डॉ नरवरे को स्थानांतरित करने ज्ञापन सौंपा

उधर प्रेस क्लब का वर्किंग जर्नलिस्ट द्वारा भी डॉ अशोक नरवरे को आमला से तत्काल स्थानांतरित कलेक्टर बैतूल के नामअनुविभागीय अधिकारी आमला को ज्ञापन दिया आमला अस्पताल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सिविल अस्पताल में उन्नयित हुए लगभग 2 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है। अस्पताल की कमान पिछले लगभग 7 वर्ष से अधिक समय से बीएमओ डॉ अशोक नरवरे बीएमओ के हाथो में रही है। डॉ नरवरे ने अस्पताल को पंगु एवं लाचार बनाये रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और अस्पताल को अपने निजी स्वार्थ एवं आर्थिक उद्देश्यो के लिए उपयोग करते हुए भ्रष्टाचार एवं झोला छाप डॉक्टरों से अवैध वसूली का जरिया बना रखा है। हॉस्पिटल में ना तो वे स्वयं काम करते है और ना ही किसी अच्छे डॉक्टर को कार्य करने देते है। पिछले 7 से 8 वर्षो में कई डॉक्टर आमला में पदस्थ हुए लेकिन उन सभी को डॉ नरवरे द्वारा सीएमएचओ बैतूल को माध्यम बनाकर विभिन्न तरीकों से परेशान कर आमला अस्पताल से भगा दिया गया । वो अपने राजनीतिक सम्पर्क सूत्रो द्वारा अच्छे डॉक्टरों का अटैचमेंट करवा देते है या फिर उन्हें परेशान करके भगा देते है । जिसका सीधा नुकसान विगत कई वर्षों से हम आमला क्षेत्र की जनता को होता आ रहा है। आमला में कोई निजी अस्पताल भी नहीं होने के कारण क्षेत्रवासी शहर के एक मात्र सरकारी अस्पताल पर निर्भर रहते है। बीएमओ डॉ अशोक नरवरे आए दिन भ्रष्टाचार की सुर्खियों में घिरे रहते है। इनके स्वयं के किसी गंभीर प्रकरण को लेकर ये कई दिनों तक अपनी ड्यूटी से लापता रहे थे , जिसके संबंध में इनके परिवार द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट भी की गई थी। एक्सरे टेक्नीशियन रवि द्वारा एक्सरे प्रिंटिंग हेतु सामान्य पेपर की जगह एक्सरे फ़िल्म माँगी तो डॉ नरवरे द्वारा उन पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाकर आमला सिविल अस्पताल से घोड़ाडोंगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थानांतरित करा दिया गया। स्टाफ नर्स छत्रपाल द्वारा ड्यूटी से 5 मिनिट पहले अस्पताल से निकल जाने पर 10 दिन का वेतन काट दिए जाने पर वह मानसिक रूप से बहुत परेशान रहती थी और कुछ दिनों बाद उनका शव उनके घर से संधिग्ध अवस्था में पाया गया था । वार्ड बॉय दिनेश ब्राह्मणे को भी बिना किसी कारण के झूठा आरोप लगा कर आमला से मुलताई अटैच करवा दिया गया । डॉ नरवरे द्वारा दंत चिकित्सक डॉ फ़राज़ शेख को हॉस्पिटल में महीनों तक उपस्थित ना रहने के बावजूद उससे साठ गांठ करके उसे लाखो रुपए का भुगतान करके भारी भ्रष्टाचार किया गया है । डॉ अशोक नरवरे ने वर्तमान में आमला अस्पताल में पदस्थ एकमात्र मेडिसिन विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ मुकेश राव वागद्रे को अनिश्चितकाल के लिए आमला से मुलताई भेज दिया है। इसके पहले 2023 में भी उनको भैंसदेही ट्रांसफर करा दिया था तब भी क्षेत्रवासियो ने विरोध जाहिर कर ट्रांसफर रुकवाया था । ज्ञापन देने में पीसीडब्ल्यूजे अध्यक्ष मोहम्मद आसीफ लंघा, रिंकू रामपुरे, गोलू सोनी, मदन साहू , नरेंद्र असोले, आकाश सोनी, अनिल साहू , मनोज नवागै ,अनिल चौहान , गुड्डू वर्मा ,अमजद खान ,यस गुगनानी और लोग शामिल थे।

कोटवारों ने ठुकराई सरकारी वर्दी, मांगी राशि

कहा- घटिया कपड़ा और गलत फिटिंग नहीं चलेगी

बैतूल, देशबन्धु। जिले के कोटवारों ने अपनी वर्दी और अन्य सामग्री की राशि सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। मध्य प्रदेश ग्राम रक्षक कोटवार चौकीदार संघ के नेतृत्व में कोटवारों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर उन्हें शान द्वारा बिना नाप की ।वर्दी दी गई, तो वे उसे लेने से इनकार कर देंगे।

कोटवारों का कहना है कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली वर्दी में कपड़े की गुणवत्ता खराब होती है और नाप-फिटिंग भी गलत रहती है, जिससे पहनने में दिक्कत आती है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वे गलत साइज और खराब कपड़े की वर्दी पहनेंगे, तो इससे प्रशासन की छवि भी प्रभावित होगी। संघ ने कहा कि मध्य प्रदेश के कई जिलों, जैसे बालाघाट, सीहोर, रायसेन, विदिशा, गुना और सागर में वर्दी की राशि पहले ही कोटवारों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है, लेकिन बैतूल में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन जबरदस्ती सिलाई की गई वर्दी देने की कोशिश करेगा, तो सभी कोटवार इसका बहिष्कार करने को मजबूर होंगे।

संगठन का कहना है कि इसके पहले भी 21 फरवरी 2025 को जिला कोटवार संघ ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन देकर बैंक खातों में राशि डालने की मांग की थी, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कोटवारों ने साफ कहा है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई, तो वे किसी भी सरकारी कार्य में सिविल ड्रेस में ही शामिल होंगे। ज्ञापन देने वालों में लोकेश पाटिल, रामदास गुजरे, लालसिंह नागले, दिनेश चौकीकर, घनश्याम बारथे, कन्हैया बानसे, ऋषि सोमकुवर, कमल जावलकर, दिलीप बेलवंशी, गणेश चौकीकर, गणेश कजोडे, माया वाईकर, शकुन तायवडे, ललित खातरकर, देवीदास मनोहरे सहित अनेक कोटवार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत 2 यात्री काशी, अयोध्या रवाना

सारनी, देशबन्धु। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के तहत सोमवार को नगर पालिका क्षेत्र सारनी से दो यात्री काशी, अयोध्या के लिए रवाना हुए। नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, पार्षद अनीता बेलवंशी, घनश्याम पांडे, रामराज यादव, चंद्रकला पाल, मुरारी यादव, पप्पी अश्वारे, संजय पवार समेत अन्य लोगों ने तीर्थ यात्रियों को तिलक कर, माला पहनाकर श्रीफल भेंट किया। उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। नगर पालिका ने अपने वाहन से यात्रियों को बैतूल रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया।

आमला में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए बंटी सोनी सबसे मजबूत दावेदार

धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक छवि के चलते बंटी सोनी की दावेदारी को मिल रहा जोर

बैतूल, देशबन्धु। आमला में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चर्चाएं तेज हो गई हैं, और इस दौड़ में बंटी सोनी का नाम सबसे आगे उभरकर आ रहा है। 40 से 45 वर्ष के आयु वर्ग में बंटी सोनी का प्रभावशाली कद और उनकी सक्रियता ने उन्हें इस पद का मजबूत दावेदार बना दिया है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी गहरी पकड़ है, जो उन्हें अन्य संभावित प्रत्याशियों से अलग बनाती है।

बंटी सोनी सफल व्यवसायी हैं, धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। वे आमला के प्रतिष्ठित धार्मिक संगठन श्री राम जन्मोत्सव समिति में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं, जिससे उनकी छवि धार्मिक प्रवृत्ति से जुड़ी मानी जाती है। साथ ही, वे सोनी समाज के संगठन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। राजनीतिक रूप से बंटी सोनी का सफर कांग्रेस पार्टी से लंबे समय से जुड़ा रहा है। वर्तमान में वे आमला नगर कांग्रेस के सेक्टर अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं और पार्टी के लिए लगातार सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। आमला के व्यापारिक संगठन में भी उनकी मजबूत भूमिका है, जिससे वे व्यापारियों के बीच भी अच्छी पकड़ रखते हैं।

शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी बंटी सोनी का खासा प्रभाव है। वे युवाओं और हमउम्र के बीच एक मजबूत पहचान रखते हैं। उनकी छवि एक मददगार, सेवा भावी और मिलनसार नेता के रूप में स्थापित है। वे हमेशा लोगों के सुख-दुख में शामिल रहते हैं, जिससे आम जनता के बीच उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। आमला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए बंटी सोनी की दावेदारी को लेकर समर्थकों में जबरदस्त उत्साह है। कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर बंटी सोनी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो पार्टी को मजबूती मिलेगी और संगठन को और विस्तार करने में सहायता मिलेगी। अब देखना यह है कि कांग्रेस नेतृत्व इस पर क्या फैसला लेता है, लेकिन वर्तमान में बंटी सोनी का नाम इस पद के लिए सबसे प्रबल दावेदारों में से एक बन चुका है।

सारनी में आखिर कौन होगा कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष

24 मार्च के बाद होगी स्थिति स्पष्ट

सारनी, देशबन्धु। जिले की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाली विद्युत नगरी सारनी में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर अपने योग्य उम्मीदवार की तलाश में जुड़ गई है।

हालांकि कांग्रेस पिछले पांच ,छ्माह से माध्यम से सारनी ब्लॉक अध्यक्ष बदले जाने को लेकर सरगर्मी तेज थी,लेकिन उम्र का फैक्टर आने की वजह से और मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र शुरू हो जाने के कारण सारनी ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई। लेकिन संभावना व्यक्ति की जा रही है कि 24 मार्च को विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद संपूर्ण प्रदेश में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को बदलने का काम किया जाएगा। हालांकि कांग्रेस लगातार नगरी निकाय चुनाव,पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव,लोकसभा चुनाव में मुंह की खाते आई है। जिसकी वजह से इस बार युवा ब्लॉक अध्यक्ष की ओर कांग्रेस के बुजुर्ग नेताओं के माध्यम से अपनी नजर को गाढ़ाकर कांग्रेस को संजीवनी देने वाले सारनी ब्लॉक अध्यक्ष की खोज में जुटी हुई है। संभावना व्यक्ति की जा रही है कि इस बार एक अनार सौ बीमार की स्थिति सारनी ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर निर्मित हो गई है। सारनी ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए लगभग 7 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी का नाम सामने आने और जन चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसमें सबसे पहली प्राथमिकता कांग्रेस के दिग्गत दिवंगत नेता अवधेश सिंह के बड़े पुत्र विक्की सिंह का नाम लिया जा रहा है। हालांकि सारनी ब्लॉक अध्यक्ष पद की दौड़ में पंचू खान,हेमंत छोटे नगर पालिका परिषद सारनी के प्रतिपक्ष नेता पिटीश नागले,प्रवीण पाल,वसीम खान के अलावा योगेश एरुलू का नाम बड़ी प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है। योगेश एरुलू उम्र फेक्टर और आर्थिक रूप से संपन्न होने की वजह से इनके सारनी ब्लॉक अध्यक्ष बनने की संभावना प्रबल दिखाई दे रही है। हालांकि नगर पालिका परिषद सारनी के कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता पिंटीश नागले को कांग्रेस मे लंबी राजनीति का अनुभव होने की वजह से इनको भी सारनी ब्लॉक अध्यक्ष का लाभ मिल ने की संभावना से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

औद्योगिक क्षेत्र कहे जाने वाले सारनी और पाथाखेड़ा क्षेत्र में लगातार कांग्रेस कमजोर होते चली आ रही है, नहेरु सिंह राजपूत,मोहम्मद इलियास, तिरुपति एरुलू और भगवान जावरे का कार्यकाल मिश्रित रहा इनके माध्यम से कांग्रेस क्षेत्र में अपना प्रदर्शन विरोध करती रही। हालांकि विरोधाभास काफी कम रहा ऐसी स्थिति में हर और जीत का अंतर भी लगभग सभी चुनाव में काम बन रहा,लेकिन वर्तमान सारनी ब्लॉक अध्यक्ष किशोर चौहान के बनने के बाद कांग्रेस कई खेलों में बाट गई इसके अलावा संपूर्ण जिले में सेवादल जो कांग्रेस की कभी रीड की हड्डी कहीं जाती थी वह रीड की हड्डी भी कमजोर होने की वजह से कांग्रेस को खासे नुकसान हुआ है। अगर कांग्रेस को संगठन में मजबूती लाना है तो जिस तरह पूर्व में सेवादल शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य किया करती थी उसी तर्ज पर पहले सेवा दल को शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में मजबूत करने के बाद ही कांग्रेस को कठोर और बेहतर कदम उठाना चाहिए जिससे उन्हें छोटे से छोटे चुनाव में सफलता मिलने की संभावना से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जबकि वर्तमान समय में स्थित शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के पदाधिकारी को लेकर चिंताजनक बनी है। ऐसे में युवा और सब खेमे को लेकर अपने साथ चलने वाले सारनी ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति का इंतजार कांग्रेस के छोटे-बड़े कार्यकर्ता पदाधिकारी करते दिखाई दे रहे हैं।

संगीतमय श्रीराम कथा का 4 अप्रैल से

सारनी, देशबन्धु। ग्राम पंचायत सलैया के बस स्टॉप के समीप पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में नव दिवसीय श्री राम कथा का भव्य आयोजन किए जाने की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है। इस नव दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन जय बजरंग सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। समिति के संरक्षक एकराज यादव ने बताएं किनरसिंहपुर जिले की मानस कथा वाचक सुश्री प्रीति रामायणी के मुखाग्रह बिंदु से कथा का वाचन किया जाएगा। कथा का शुभारंभ 4 अप्रैल को सुबह 8 बजे से शुरू होगा।

गरीबों के राशन पर लगा ब्रेक, 6 महीने से जारी नहीं हुए खाद्य कूपन

आम आदमी पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में खाद्य कूपन को लेकर गरीबों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। बीते 6 महीने से खाद्य कूपन के अभाव में गरीब परिवार राशन लेने के लिए नगर पालिका और ग्राम पंचायतों के चक्कर लगा रहे हैं। राज्य सरकार की तय लिमिट पॉलिसी के कारण बैतूल समेत प्रदेशभर में खाद्य कूपन जारी नहीं हो रहे, जिससे जरूरतमंद लोग भूख और मजबूरी के बीच जीने को विवश हैं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सदस्य और प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बैतूल फूड विभाग के अधिकारी टेकाम से फोन पर चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने खाद्य आपूर्ति की एक सीमा तय कर दी है, जिससे प्रदेशभर में बीते 5-6 महीनों से खाद्य कूपन जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने साफ कहा कि जब तक सरकार नई आपूर्ति की अनुमति नहीं देती, तब तक गरीबों को कूपन जारी करना संभव नहीं है। सोनी ने बताया कि राज्य सरकार की इस नीति के कारण गरीब और जरूरतमंद परिवारों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। एक तरफ बढ़ती महंगाई और दूसरी तरफ बेरोजगारी ने गरीबों की कमर तोड़ दी है। कई परिवारों को कर्ज लेकर गुजारा करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे नेताओं को रोजगार और सुख-सुविधाएं मिल रही हैं, जबकि आम जनता 5 किलो राशन के लिए दर-दर भटक रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का दावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि गरीबों को राशन कूपन तक नहीं मिल पा रहे हैं।

सोनी ने बैतूल जिले में खाद्य कूपन वितरण में बड़े घोटाले के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि बीपीएल और अंत्योदय कार्डधारकों को कूपन जारी करने के नाम पर हजारों रुपये की रिश्वत ली जा रही है। गरीबों को उनका हक नहीं मिल रहा, बल्कि उनसे जबरन वसूली की जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समय रहते गरीबों को खाद्य कूपन उपलब्ध नहीं कराए गए, तो वे मजबूरी में अपराध करने को मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब पेट की आग भड़कती है, तो इंसान सही-गलत की सोचने की स्थिति में नहीं रहता। इसलिए सरकार को जल्द से जल्द खाद्य कूपन जारी करने की व्यवस्था करनी चाहिए। सोनी ने कहा कि जनता के टैक्स के पैसों से नेताओं को मुफ्त में भोजन, चाय, नाश्ता और मिनरल वॉटर, महंगी सरकारी मोटर कार, बंगला मिल रहा है। जनप्रतिनिधि जनता के पैसों पर ऐश कर रहे हैं, जबकि गरीब 5 किलो राशन के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द बैतूल सहित पूरे प्रदेश में खाद्य कूपन जारी नहीं किए गए, तो आम आदमी पार्टी सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि जनता ही असली मालिक है और अगर जनता ने मतदान के रूप में नेताओं को कूपन देना बंद कर दिया, तो उनके राजनीतिक करियर पर भी संकट आ सकता है। अजय सोनी ने मांग की है कि सरकार गरीबों को उनका हक दे और बिना किसी भ्रष्टाचार के खाद्य कूपन जारी करे, ताकि जरूरतमंद परिवारों को दो वक्त की रोटी मिल सके।

एलआईसी एजेंट ने बीमा धारक के साथ की धोखाधड़ी

बैतूल, देशबन्धु। एलआईसी एजेंट द्वारा बीमा धारक के म्युचुअल फंड के नाम से जमा किए पैसे निजी कंपनी में लगाकर धोखाधड़ी किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इसकी शिकायत घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम नांदू निवासी निलेश घोड़ाले ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से की है। आवेदन के माध्यम से शिकायतकर्ता ने बताया कि शाहपुर तहसील के ग्राम सिलपटी निवासी एलआईसी एजेंट उमेश पाटले के पास एलआईसी में म्युचुअल फंड की पॉलिसी वर्ष 2018 में ली थी। एलआईसी एजेंट द्वारा एलआईसी के नाम पर राशि जमा करने के लिए घर पर आकर राशि ली जाती थी। इसकी रसीद मांगने पर एलआईसी एजेंट द्वारा एक साथ सभी रसीद देने की बात कही गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने 9 सितंबर 2018 से दिसंबर 2023 तक सभी किस्तों की राशियों का भुगतान समय पर किया गया, जिसका उन्हें 6 लाख का भुगतान 2023 में ही प्राप्त होना था, लेकिन आज दिनांक तक उन्हें अपनी जमा किए गए पैसे नहीं मिल पाए है। शिकायतकर्ता ने बताया कि एलआईसी एजेंट ने उन्हें बिना बताए सहारा कंपनी में पैसे लगा दिए है। 2 साल बीत गए लेकिन अब तक पैसे नहीं मिले हैं। शिकायतकर्ता ने एलआईसी एजेंट उमेश पाटले (बागडोना शाखा) पर धोखाधड़ी एवं राशियों का गलत जगह उपयोग करने के लिए कड़ी कार्रवाई करते हुए राशि को दिलवाए जाने की मांग की है।

सार-समाचार

अस्पताल में प्रसव के लिए आई महिला के साथ फिर लापरवाही आई सामने

रायसेन, देशबन्धु। अस्पताल में फिर लापरवाही सामने आई है। यहां प्रसूता के साथ आये पति को पर्चा बनाने के लिए भेज दिया गया। अटेंडर न होने के कारण एंबुलेंस से उतर रही प्रसूता की डिलेवरी अचानक हो गई। गनीमत रही ही नवजात बाल बाल बच गया, लेकिन उसके सिर में चोट आ गई। मानवता को शर्मसार करने वाली इस घटना के बाद भी अस्पताल स्टाफ काफी देर तक पीड़िता के पास नहीं पहुंचा। घटना को लेकर पीड़िता के पति और परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया हैं। जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस में ड्राइवर के अलावा अन्य कोई स्टाफ मौजूद ही नहीं रहता। जिस कारण इमरजेंसी के ऐसे समय में मरीज के साथ के अटेंडर को ही जिम्मेदारी उठाना पड़ती है।

शासन की मदद से लौटी डेढ़ वर्षीय गणेश की खोई हुई मुस्कान

रायसेन, देशबन्धु। शारीरिक विकृति के साथ जन्म लेने वाले गणेश चौधरी और उनके परिवार को सरकार की मदद तथा डॉक्टरों की संवेदनशीलता से खोई हुई मुस्कान मिल गई। बरेली के होली चौक वार्ड नम्बर-14 निवासी अरविंद चौधरी का पुत्र गणेश चौधरी कटे होंठ एवं तालु के साथ जन्मां था। गणेश के जन्म के साथ ही परिवार के लिए एक बड़ी चिंता ने भी जन्म लिया कि इस अवस्था में बालक का भविष्य क्या होगा। साथ ही उसे खाना खाने, पानी पीने, बोलने एवं सांस लेने में भी समस्या होती थी। अरविंद चौधरी अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र की समस्या लेकर सिविल अस्पताल बरेली पहुंचे, जहां बीएमओ डॉ हेमंत यादव और आरबीएसके चिकित्सक डॉ माजिदा बानो द्वारा जांच करने के उपरांत ऑपरेशन कराने की सलाह दी गई। इसके उपरांत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल में गणेश का ऑपरेशन कराया गया। डेढ़ वर्षीय गणेश अब पूर्णत: स्वस्थ्य है। बालक गणेश के स्वस्थ्य होने से परिजन भी बेहद खुश है और डॉक्टर्स, जिला प्रशासन और सरकार को धन्यवाद देते हुए कहते हैं कि शासन की मदद से गणेश और उनकी खोई हुई मुस्कान फिर लौट आई है।

जिले में रंगपंचमी पर आज शुष्क दिवस घोषित

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा रायसेन जिले में रंगपंचमी दिनांक 19 मार्च को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा जारी आदेश के तहत मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24(1) तथा आबकारी आयुक्त मप्र ग्वालियर द्वारा जारी निर्देश के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में रंगपंचमी दिनांक 19 मार्च 2025 को प्रात: 08.30 बजे से शाम 04 बजे तक शुष्क दिवस घोषित कर जिले की विनिर्माणी इकाईयों में मदिरा का उत्पादन इकाई डी-1, बी-3, एफएल-9, एफएल-9(ए), सीएस-1बी में उत्पादन को छोड़कर विनिर्माण, मदिरा का आयात-निर्यात एवं परिवहन और समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों एवं समस्त बार एफएल-2, एफएल-3 को रंगपंचमी के अवसर पर सम्पूर्ण रायसेन जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में कृषि यंत्रों पर अनुदान

रायसेन, देशबन्धु। उद्यानिकी विभाग अंतर्गत एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाता है। जिले को वर्ष 2024-25 में यंत्रीकरण घटक हेतु लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इन उद्यानिकी योजनाओं का लाभ लेने के लिए एमपीएफएसटी पोर्टल पर आवेदन करना अनिवार्य है। पंजीयन हेतु कृषक का आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि का खसरा, बी-1 की प्रति खतौनी, अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों का जाति प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो होना जरूरी है।

मौसम में आए बदलाव से किसानों को सता रही चिंता

गेहूं की फसल पककर तैयार, हार्वेस्टर से की जा रही कटाई

सिलवानी, देशबन्धु। मौसम बिगाड़ने के कारण किसानों में चिंता कि लकीरें खींच हुई हैं। एक और जहां क्षेत्र में गेहूं की फसल पककर तैयार हो गई है। वहीं मजदूर कमी के कारण हार्वेस्टर से कटाई शुरू हो गयी है। वहीं जिन किसानों ने धान की कटाई के बाद गेहूं बोया था, उनकी फसल पकने में अभी 15 से 20 दिन लगेंगे। चना और मसूर की फसलें घरों तक पहुंच चुकी हैं। अब सिर्फ गेहूं की कटाई बाकी है। इस समय मौसम को देखते हुए अधिकतर किसान हार्वेस्टर से कटाई करा रहे हैं। मजदूर समय पर नहीं मिलने से किसानों को मशीनों का सहारा लेना पड़ता रहा है। मौसम भी बिगड़ने लगा है। बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी भी हुई। कुछ जगह बारिश भी दर्ज की गई। किसान चिंतित हैं कि कहीं मौसम खराब होने से फसल को नुकसान न हो जाए। उनकी सालभर की मेहनत इसी पर निर्भर है। इसलिए वे चाहते हैं कि जल्द से जल्द कटाई पूरी हो और फसल सुरक्षित घर पहुंच जाए।

कायस्थ समाज के अभियान में शामिल होने पर किया सम्मान

रायसेन, देशबन्धु। भोपाल से कायस्थ बंधु समिति कायस्थ समाज का मांसाहार, नशा, दहेज मुक्त अभियान के समर्थक को घर जाकर सम्मानित किया जा रहा है। इसी कड़ी म कर्मचारी कालोनी में आरती अनूप श्रीवास्तव के घर पर चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रम रखा गया है।

समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने श्रीवास्तव परिवार को अभियान मे शामिल होने पर पीले गमछे पहनाकर सम्मान मे प्रशस्ति पत्र प्रदान कर श्री भगवान की तस्वीर भेंट की। यह परिवार पिछले चार साल से कायस्थ बंधु समिति के व्यक्तिगत रूप से अभियान में सहभागिता कर रहा है। अभियान संयोजक गिरीश श्रीवास्तव ने बताया कि समाज से दहेज प्रथा खत्म होने के साथ साथ मांसाहार खान-पान भी बंद हो इसके लिए समिति समर्थक के सहयोग से अभियान चला रही है। अभी तक कालापीपल सहित संपूर्ण शाजापुर जिले से पचास से अधिक कायस्थ परिवार अभियान से जुड़ चुके है। सम्मान अवसर पर समिति ने सभी सम्मानित परिवार को अपने बेटा बेटियो का विवाह अभियान के तहत करने का संकल्प भी दिलाया है। सम्मान मुख्य रूप से आरती श्रीवास्तव, किरण श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, चेतन श्रीवास्तव, लाभांश सहित को दिया गया है।

जनसुनवाई: कलेक्टर ने किया नागरिकों की समस्याओं का निराकरण

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रति मंगलवार की भांति आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। कुछ प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त अधिकांश आवेदन आर्थिक सहायता, विद्युत, पीएम आवास, अतिक्रमण, खाद्यान्न पात्रता पर्ची सहित योजनाओं के लाभ से संबंधित थे। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर तथा अनेक विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई में शामिल हुए।

रंगपंचमी पर्व पर आज जिले में रहेगा स्थानीय अवकाश

रायसेन, देशबन्धु। जिले में वर्ष 2025 के लिए कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा द्वारा तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। जारी आदेश के तहत रायसेन जिले के लिए 19 मार्च रंग पंचमी पर्व को स्थानीय अवकाश रहेगा। इसके अतिरिक्त दिनांक 3 अक्टूबर शुक्रवार 804वां पीर फतेहउल्लाह साहब दरगाह रायसेन का वार्षिक उत्सव उर्स तथा 23 अक्टूबर गुरूवार को दीपावली भाईदूज को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

पतझड़ से वन वीरान, भोजन के लिए भटकते वन्य जीव

सिलवानी, देशबन्धु। गर्मी की शुरुआत में ही वन वीरान हो चुके हैं। वन्य प्राणियों को भूख, प्यास मिटाने कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। क्षेत्र के जंगलों में वन्य जीव सूखी घास, सूखे पत्तों को खाकर भूख मिटाते दिखाई दे रहे हैं। इनमें बंदर, लंगूर एक ऐसे है जो पेड़ों की डालियों पर बैठकर अपना पेट भर लेते हैं। इस समय जमीन पर भले की पेट भरने पर्याप्त भोजन की व्यवस्था न हो पर कुछ वृक्षों पर पत्तों की नई कोपलें और फूल आ चुके हैं। इन बंदरों के लिए मन पसंद भोजन है। दरअसल सागर मार्ग पर सड़क किनारे एक पेड़ों की टहनियों से फूलों को खाकर बंदर भूख मिटा रहे हैं। वहीं जमीन पर सूखे पत्तों के बीच भोजन तलाश रहे हैं।

पलाश के पेड़ों पर फागुनी बयार, फूलों से हुए लाल

सिलवानी, देशबन्धु। प्रकृति में फागुनी रंग चढ़ गया है। फागुनी बयार वातावरण में उत्साह भर रही है। दरअसल होली का त्योहार आते ही पलाश के पेड़ों में केशरिया रंग के फूल आने लगते हैं। इन फूलों से भी रंग बनाए जाते हैं। इन दिनों सड़कों, जंगलों पर पलाश के पेड़ों पर पत्ते नहीं, सिर्फ फूल लदे हैं।

नागौरी की पहाड़ी की ऐतिहासिकता से बेखबर प्रशासन और पुरातत्व विभाग

सांची, देशबन्धु। कहने को तो यह स्थल अपने आप मे ऐतिहासिकता समेटे हुए हैं इसी ऐतिहासिकता से रूबरू होने देशविदेश के पर्यटक आते जाते रहते हैं। इस स्थल पर आज भी बिखरी पड़ी पुरासम्पदा से सम्बंधित जिनके जिम्मे जिम्मेदारी सौंपी गई है वह या तो बेखबर हैं अथवा पुरासम्पदा की सुरक्षा करने की लापरवाही बरतने में पीछे नहीं दिखाई देते। इससे यह सालों प्राचीन पुरा संपदा नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई है। इस क्षेत्र के आसपास बिखरी पड़ी बेशकीमती पुरासंपदा को सुरक्षित रखने के लिए अंग्रेजी शासन के दौरान प्रयास शुरू किए गए थे। हालांकि अंग्रेजी अफसरों ने इस स्थल की तहसनहस स्थिति को देखते हुए काफी खुदाई करवा डाली थी तथा यहां से प्राप्त बेशकीमती वस्तुओं को अपने देश ले जाने में सफल भी रहे थे। इसके बाद इस बेशकीमती पुरासंपदा को सुरक्षित संरक्षण की दिशा में केंद्रीय पुरातत्व विभाग के कंधों पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई। तब से अब तक आजादी के लगभग 75 साल गुजरने के बाद भी आजभी बेशकीमती धरोहरें बेशुमार अनमोल धरोहर बिखरी पड़ी है। इन अनमोल धरोहरों को आज भी अपने सुरक्षित संरक्षित होने का इंतजार है। प्रसिद्ध नागौरी की पहाड़ी ऐतिहासिक होने के साथ ही अपने मे धरोहरों को समेटे हुए है ऐसा भी नहीं है कि इन सब बिखरी पड़ी पुरासम्पदा से पुरातत्व विभाग अनजान हो। हालांकि इस पहाड़ी पर ही सौर ऊर्जा प्लांट निर्मित हो चुका है। बताया जाता हैं कि सौर ऊर्जा ऐजेंसी द्वारा अपने निश्चित क्षेत्र में तार फैंसिंग कर दी है। इस हजारों साल प्राचीन पत्थर की घोड़ीनुमा पत्थर की प्रतिकृति को प्लांट द्वारा अपने क्षेत्र में सुरक्षित कर दिया है जिससे इसके सुरक्षित रहने की आस बंध गई है।

गैस एजेंसी में हुआ होली मिलन समारोह का आयोजन

सिलवानी, देशबन्धु। प्रियांशु इंडियन गैस एजेंसी गोदान में 20 वर्षों की सफलता के उपलक्ष्य में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं एजेंसी के कर्मचारियों, ग्राहकों और स्थानीय निवासियों ने मिलकर होली के रंगों का आनंद लिया। समारोह में पारंपरिक होली गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। एजेंसी के मैनेजर यशवंत राय प्रियांशु ने कहा कि यह सफलता केवल उनके ग्राहकों और कर्मचारियों के समर्थन से ही संभव हो पाई है। उन्होंने आगामी वर्षों में और बेहतर सेवा देने का संकल्प लिया। समारोह में सभी ने मिलकर एक दूसरे से गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं।

नागदा के एक्टिविस्ट की अपील पर सूचना आयोग के आदेश में खुलासा

चंद्रशेखर आजाद समेत स्वतंत्रता संग्राम पर प्रकाशित पुस्तक झाबुआ कलेक्टर कार्यालय से गायब

- स्मारिका को खोजने गठित कलेक्टर कार्यालय टीम को असफलता
- संयुक्त कलेक्टर झाबुआ व नीमच दोनों सूचना आयोग में तलब
- क्रांतिकारियों से जुड़ी पुस्तक गुम होने पर आयोग की तल्ख टिप्पणी

● कैलाश सनोलिया

नागदा, देशबन्धु। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्म स्थली भाबरा समेत समूचे झाबुआ जिले के स्वाधीनता संग्राम इतिहास में क्रांतिकारियों के योगदान पर कलेक्टर झाबुआ द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक कलेक्टर कार्यालय झाबुआ से गायब हो गई। यह खुलासा मप्र राज्य सूचना आयोग भोपाल के समक्ष अपील सुनवाई के निर्णय आदेश में हुआ। निर्णय की प्रमाणित प्रतिलिपि देशबन्धु संवाददाता के पास सुरक्षित है। यह अपील नागदा जिला उज्जैन के आरटीआई एक्टिविस्ट कैलाश सनोलिया ने प्रस्तुत की थी। आयोग के आयुक्त डा. उमाशंकर पचौरी ने अपने आदेश में पुस्तक के संबंधित दस्तावेजों के गायब होने पर तल्ख टिप्पणियां भी लिखी है। यहां तक अप्रसन्नता जताई कि स्वाधीनता संग्राम से संबंधित पुस्तक का गायब हो जाना अधिकारियों की स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति उदासीनता का परिचायक है। निर्णय के मुताबिक स्वतंत्रता आंदोलन में झाबुआ जिले का योगदान विषय पर कलेक्टर कार्यालय झाबुआ से वर्ष 1999 में स्मारिका प्रकाशित हुई थी। इस पुस्तक की प्रति एवं उससे जुड़े अभिलेख सूचना अधिकार में एक्टिविस्ट श्री सनोलिया ने वर्ष 2022 मे झाबुआ कलेक्टर कार्यालय में मांगे थे। तत्कालीन लोकसूचना अधिकारी प्रीति संघवी द्वारा झूठी एवं अधूरी जानकारी प्रदान करने के आरोप में मामला सूचना आयोग पहुंचा। आयोग ने पिछली सुनवाई 27 जनवरी को उपस्थित वर्तमान ज्वाइंट कलेक्टर झाबुआ अक्षय सिंह मरकाम/लोकसूचना अधिकारी को निर्णय में आदेशित किया था कि मांगी गई 10 बिंदुओं की सारी जानकारियां 15 दिनों में नि:शुल्क उपलब्ध कराएं। श्री मरकाम ने आयोग आदेश के बाद लिखित में बताया कि कलेक्टर कार्यालय झाबुआ में इस पुस्तक को खोजने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया, लेकिन टीम को निराशा हाथ लगी है। ऐसी स्थिति में स्पष्ट किया कि पुस्तक का प्रकाश ही नहीं हुआ।

सुनवाई में श्री सनोलिया ने आयोग न्यायालय में प्रकाशित पुस्तक की प्रति पेश कर दी। साथ ही क्रांतिकुमार वैध उज्जैन को न्यायालय में बतौर गवाह उपस्थित किया। उन्होंने बयान में बताया पुस्तक संपादक मंडल में उनका नाम था। उन्होंने भी पुस्तक के लिए सामग्री उपलब्ध कराई। पुस्तक प्रकाशित हुई। पुस्तक श्री वैध के पास सुरक्षित थी।

अब संयुक्त कलेक्टर झाबुआ को कारण बताओ नोटिस

आयोग ने निर्णय में देशभक्तों से जुड़ी पुस्तक के गायब होने तथा अधिकारियों के गुमराह पूर्ण जवाब पर तल्ख टिप्पणियां लिखी हैं। आयोग को गुमराह करने पर 25 हजार का जुर्माना करने के लिए संयुक्त कलेक्टर श्री मरकाम को शोकाज नोटिस जारी किया है। स्पष्टीकरण जवाब के लिए 27 मार्च को भोपाल तलब किया। निर्णय में जिक्र किया है कि वर्तमान लोकसूचना अधिकारी/ ज्वाइंट कलेक्टर श्री मरकाम को पूर्व आदेश में अपीलार्थी को जानकारी उपलब्ध कराकर पालन प्रतिवेदन आयोग में प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। लेकिन आदेश का उल्लंघन कर प्रतिवेदन भी समय अवधि में पेश नहीं किया। ना जानकारी उपलब्ध कराई। गौरतलब हैकि सूचना अधिकार आवेदन झाबुआ में उस समय प्रस्तुत हुआ था तब तत्कालीन लोकसूचना अधिकारी श्रीमती संघवी थी।

अब वे इन दिनों नीमच जिले में संयुक्त कलेक्टर है। इन्होंने उस समय मांगी गई जानकारी के स्थान पर अन्य कोई भ्रामक पुस्तक उपलब्ध कराई बदले में 1308 रुपए का शुल्कभ जमा कराया। गुमराहपूर्ण, मिथ्या एवं अधूरी जानकारी प्रदान करने पर इन्हें पिछली सुनवाई 27 जनवरी के निर्णय में आयोग ने 25 हजार का जुर्माना करने के लिए नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब के बाद इन पर जुर्माने का निर्णय आयोग ने अभी सुरक्षित रखा है। प्रीति ने भी जवाब पेश किया कि कलेक्टर कार्यालय अधीक्षक की अध्यक्षता में 7 सदस्यों की गठितटीम को पुस्तक नहीं मिली है। ऐसी स्थिति में पुस्तक प्रकाशित नहीं हुई।

निर्णय में अटल बिहारी का नाम

निर्णय में आयुक्त ने अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते लिखा है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के संदेश भी पुस्तक में प्रकाशित है। उस पुस्तक का गायब होना गंभीर मामला है। इधर श्री सनोलिया ने सुनवाई में पुस्तक के प्रथम पेज पर प्रकाशित चंद्रशेखर आजाद, आजादी आंदोलन के प्रमुख चितंक, लेखक मामा स्व. बालेश्वर दयाल पूर्व राज्यसभा सदस्य स्व. कन्हैयालाल वैध, सेनानी स्व. कुसुम कांत जैन की प्रकाशित तस्वीरों की और भी न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। यह भी बताया कुसुमकांत स्वयं संपादक मंडल के अध्यक्ष थे, जोकि संविधान सभा के सदस्य भी रहे थे। आरटीआई के मुताबिक आजादी की 50 वी वर्षगांठ पर 1999 में इस पुस्तक का प्रकाशन कलेक्टर झाबुआ की पहल पर हुआ था। योजना को मूर्तरूप देने के लिए संपादक मंडल का गठन हुआ। तत्कालीन जिला प्रभारी घनश्याम पाटीदार के हाथों 6 अगस्त 2000 को पुस्तक का विमोचन हुआ। (आयोग द्वारा जारी निर्णय 11 मार्च तक पुस्तक मिलने के प्रमाण सामने नहीं आया हैं।)

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।